हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 78 बेमेतरा, मंगलवार 03 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, गोलीबारी में कुकी समुदाय के 3 लोगों की मौत

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। सुबह नोनी जिले के पहाड़ी गांव केकरू नगा में दो विरोधी गुटों के बीच हुई भीषण गोलीबारी में कुकी समुदाय के तीन लोगों की मौत हो गई। दोनों पक्षों के बीच कई घंटों तक गोलीबारी होती रही। पुलिस ने भी घटना में तीन लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। कुकी आदिवासी संगठन कुकी इनपी मणिपुर (केआईएम) ने आरोप लगाया है कि तीनों कुकी युवकों की हत्या नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालिम-इसाक मुइवा (एनएससीएन-आईएम) और जेलियांग्रोंग यूनाइटेड फ्रंट (जेडयूएफ-के) के कामसन गुट के सशस्त्र सदस्यों ने की है। संगठन ने सरकार से घटना में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई करने और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की है। केआईएम ने राज्य सरकार पर कुकी-जो समुदाय की आबादी वाले गांवों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने में विफल रहने का आरोप भी लगाया है। मणिपुर में जारी संकट के बीच शनिवार को इंफाल, सेनापति और चंदेल में आदिवासी समुदायों के लोगों ने विरोध रैलियां निकालीं।

दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को गुवाहाटी तक बढ़ाने की मंजूरी

गुवाहाटी। केंद्र ने प्रस्तावित दिल्ली-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को गुवाहाटी तक विस्तारित करने की मंजूरी दे दी है. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा. मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के लिए केंद्र की हरी झंडी का जश्न मनाते हुए सीएम सरमा ने एक्स पर विपक्ष पर राजनीतिक कटाक्ष किया. सरमा ने लिखा, इसीलिए, मोदी कहीं नहीं जाएंगे! (यही कारण है कि मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं!) यह टिप्पणी शायद हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी पर हुए विवाद का तीखा जवाब है. यह टिप्पणी एक कार्यक्रम के बाद आई थी, जिसमें एक व्यक्ति ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही पद नहीं छोड़ेंगे. सरमा ने पीएम मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताते हुए कहा, गुवाहाटी-दिल्ली 8 घंटे से कम में? हाँ!

हैदराबाद में बीजेपी की महा पदयात्रा-अमित शाह का राहुल गांधी पर हमला

रामलीला मैदान में वोट बचाओ नहीं,'घुसपैठिये बचाओ' रैली थी

हैदराबाद। एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2 नवंबर को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में बीजेपी की महा पदयात्रा निकाली। हाथ में तिरंगा लेकर निकले शाह के साथ हजारों बीजेपी कार्यकर्ता और समर्थक भी शामिल हुए। यह पदयात्रा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच जारी सियासी टकराव के बीच निकाली गई। इस दौरान अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस स्ट्रक्र प्रक्रिया का विरोध करके घुसपैठियों को बचाना चाहती है। शाह ने साफ कहा कि बीजेपी एक-एक घुसपैठिये का नाम मतदाता सूची से हटवाएगी और उन्हें देश से बाहर निकालने की कोशिश करेगी। पदयात्रा में शामिल होने से पहले अमित शाह ने हैदराबाद के प्रसिद्ध भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। इसके बाद उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए एसआईआर घुसपैठ और कांग्रेस की राजनीति को लेकर विपक्ष पर कई तीखे हमले किए। सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी चाहे जितनी कोशिश कर लें, बीजेपी यह सुनिश्चित करेगी कि एक-एक घुसपैठिये का नाम मतदाता सूची से हटाया जाए। शाह ने कहा, राहुल जी, आप चाहे जितनी कोशिश कर लें, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि एक-एक घुसपैठिये को मतदाता सूची से हटा दिया जाए। उन्होंने आगे



कहा कि ऐसे लोगों को देश से बाहर निकालने के लिए भी कार्रवाई की जाएगी। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एसआईआर का विरोध इसलिए कर रही है, क्योंकि इससे उसके कथित वोट बैंक पर असर पड़ सकता है। अमित शाह ने राहुल गांधी के उस दावे पर भी सवाल उठाए, जिसमें बीजेपी की चुनावी जीत को एसआईआर प्रक्रिया से जोड़ने की बात कही गई थी। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भी जीते थे, जबकि उस समय एसआईआर जैसी कोई प्रक्रिया नहीं चल रही थी। उन्होंने कहा, मोदी जी 2019 में भी जीते थे। तब कोई एसआईआर नहीं था। क्या मोदी जी जीते या नहीं? वे भारत के मतदाताओं की वजह से जीते। शाह ने महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार में बीजेपी की जीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में पार्टी को जनता का भारी समर्थन मिला है। अमित शाह ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई इंडिया गठबंधन की रैली पर भी निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष के 'वोट बचाओ' अभियान को लेकर तंज कसा। शाह ने कहा, कल दिल्ली में एक रैली भी हुई थी। यह राहुल गांधी की रैली थी, जिसे उन्होंने 'वोट बचाओ' रैली कहा।

आज रायपुर आएंगे अमित शाह : दोपहर 3 बजे पहुंचेंगे, रात सवा दस बजे चले जाएंगे दिल्ली

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 3 नवंबर 2026 को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे। उनके दौरे का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अमित शाह रायपुर में विभिन्न आयोजनों में शामिल होंगे। इस दौरान वे अस्पताल और विकसित भारत संकल्प पार्क का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही नया रायपुर स्थित राज्योत्सव मैदान में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के समापन समारोह में भी शिरकत करेंगे। जारी कार्यक्रम के मुताबिक, अमित शाह दोपहर 12:55 बजे दिल्ली स्थित 6 ए कृष्णा मेनन मार्ग से रवाना होंगे।

सीजेआई सूर्यकांत ने क्यों कही यह बात

न्याय के लिए दिल्ली आने की जरूरत नहीं होनी चाहिए.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने न्यायिक प्रक्रिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट में लंबित मामलों की जल्द सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करने वाले याचिकाकर्ताओं की बढ़ती संख्या न्याय व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश पर विचार करने का मौका देती है। सीजेआई ने सवाल उठाया कि क्या जरूरी मामलों की पहचान और सुनवाई की तारीख तय करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया जा सकता है। रविवार को कोच्चि में



केरल हाई कोर्ट की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह में सीजेआई सूर्यकांत ने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को समय पर न्याय पाने के लिए दिल्ली तक आने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। भारत की संवैधानिक न्याय व्यवस्था सिर्फ नई दिल्ली तक सीमित नहीं है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हमेशा हाई कोर्ट की संस्थागत स्वतंत्रता और अपने मामलों की सुनवाई का क्रम तय करने के अधिकार का सम्मान किया है। इसके बावजूद हाई कोर्ट में लंबित मामलों की जल्द सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचने वाले याचिकाकर्ताओं की बढ़ती संख्या पर विचार करना जरूरी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या जरूरी मामलों की पहचान बेहतर तरीके से की जा सकती है? क्या सुनवाई की तारीख तय करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनाया जा सकता है?

राजस्थान के आईएएस-आईपीएस दंपति के पास 40 आलीशान विला

जयपुर। राजस्थान के वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी शिखर अग्रवाल और उनकी भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी पत्नी प्रशाखा माथुर के संपत्ति सौदों को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग कर एक निजी कंपनी को लाभ पहुंचाया और बाद में उसी कंपनी के दो रिसॉर्ट में अपने परिवार के नाम पर 40 विला और कॉटेज खरीद लिए। मामला सामने आने के बाद राजस्थान सरकार ने दंपती के खिलाफ जांच शुरू करा दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारी और उनके परिवार ने करीब ढाई साल के दौरान अनंता समूह के दो रिसॉर्ट में कुल 40 संपत्तियां 6.16 करोड़ रुपये में खरीदीं।

दर्ज क्यों नहीं कराईं आपत्तियां

कांग्रेस ने केवल मगरमच्छ के आंसू बहाए-नितिन नबीन

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार के भागलपुर में सोमवार को 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत आयोजित पदयात्रा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने जनता को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा। नितिन नबीन ने कहा कि लोकतंत्र खतरे में नहीं है, बल्कि विपक्ष की कुर्सी खतरे में है। विपक्षी दल अपनी राजनीतिक नाकामियों से सीखने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर देश में अराजकता फैलाने



का प्रयास कर रहे हैं। भागलपुर के लाजपत पार्क में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। आज, जब भाजपा और एनडीए गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरे देश में पदयात्रा निकाल रहे हैं, वहीं विपक्ष कल दिल्ली के रामलीला मैदान में दिखा था और झूठ के बीज बोने में व्यस्त था। लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च का नेतृत्व करते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा, बिहार में ही एसआईआर (मतदाता सूची पुनरीक्षण) प्रक्रिया शुरू हुई थी, और कल विपक्ष के नेता राहुल गांधी ऐसे ही कई झूठ फैलाने में लगे हुए थे। नितिन नबीन ने प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि एसआईआर के लिए एक तय प्रक्रिया है।

पंजाब में आप को दोहरा झटका

2 दिन में 3 विधायकों ने दिया अपना इस्तीफा

नई दिल्ली। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी के भीतर असंतोष का बड़ा विस्फोट हुआ है। पार्टी नेतृत्व द्वारा 31 अक्तूबर को 40 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की गई थी, जिसके बाद से विधायकों और टिकट के दावेदारों में नाराजगी भड़क उठी। दो विधायकों द्वारा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने के बाद पूर्व आईपीएस अधिकारी और अमृतसर नॉर्थ से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने सीधे विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर पार्टी और सरकार दोनों को असहज स्थिति में डाल दिया



है। कुंवर विजय प्रताप सिंह ने अपना इस्तीफा पत्र 1 नवंबर 2026 को अमृतसर से सीधे पंजाब विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) को भेजा। खास बात यह रही कि उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया में न तो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को शामिल किया और न ही किसी प्रदेश पदाधिकारी के जरिए अपना पत्र भिजवाया।

भारत की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन तैयार हो रही, 280 किमी प्रति घंटे होगी अधिकतम परीक्षण गति

नई दिल्ली। भारत उच्च गति रेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है। देश की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल परियोजना के लिए बेंगलुरु स्थित बीईएमएल के कारखाने में तैयार की जा रही है। इस ट्रेन को भारतीय परिस्थितियों, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। रेल मंत्रालय के अनुसार, ट्रेन की अधिकतम परीक्षण गति 280 किलोमीटर प्रति घंटा और परिचालन गति 249 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। ट्रेन की कुल लंबाई लगभग 202 मीटर होगी और इसमें आठ डिब्बे लगाए

60 किमी रफ्तार से चलेंगी हवाएं

छत्तीसगढ़ की ओर तेजी से बढ़ रहा तूफान मुरासु, 3 और 4 नवंबर को होगी बारिश..

रायपुर। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान मुरासु का असर अब छत्तीसगढ़ तक पहुंचने की संभावना है। मौसम प्रणाली के प्रभाव से प्रदेश में 3 और 4 नवंबर को तेज हवाओं, गरज-चमक और बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों में सतर्क रहने की सलाह दी है। तूफान के प्रभाव से पहले आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु में मौसम बिगड़ने की संभावना जताई गई है। 2 और 3 नवंबर को कोस्टल आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में भारी से अतिभारी



बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज हवाओं और गरज-चमक की भी चेतावनी दी गई है। वहीं तमिलनाडु में भी जोरदार बारिश की संभावना है। मौसम प्रणाली आगे बढ़ने के साथ 3 और 4 नवंबर को छत्तीसगढ़ और दक्षिण ओडिशा में इसका प्रभाव दिखाई दे सकता है। छत्तीसगढ़ में कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश और आकाशीय बिजली की स्थिति बन सकती है। हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने और झोंकों के दौरान 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। राजधानी रायपुर में भी मौसम का मिजाज बदलने लगा है। 2 नवंबर की शाम से बादल छाने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है, जबकि 3 और 4 नवंबर को बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। चक्रवात का सबसे बड़ा असर किसानों की चिंता बढ़ा सकता है।

11 हजार वोल्ट की लाइन से टकराई रोड़ी मिक्सर मशीन

करंट से 8 मजदूरों की मौत और पांच घायल

झुंझुनू। राजस्थान के झुंझुनू जिले के छापोली गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग झुलसकर घायल हो गए। गांव में जनसहयोग से सड़क निर्माण का काम चल रहा था। इसी दौरान कंक्रीट तैयार करने के लिए लगाई गई रोड़ी मिक्सर मशीन ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। इससे पूरी मशीन में करंट फैल गया और उसके आसपास काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसे में 5 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। झुंझुनू जिला कलेक्टर अरुण गर्ग से मिली जानकारी के अनुसार, उदयपुरवाटी क्षेत्र के छापोली गांव में स्थानीय ग्रामीण आपसी जनसहयोग से सड़क का निर्माण करवा रहे थे। यह काम कदम कुंड की ओर जाने वाले मार्ग पर चल रहा था। सड़क निर्माण के लिए कंक्रीट तैयार करने के उद्देश्य से मौके पर रोड़ी मिक्सर मशीन लगाई गई थी। इसी दौरान मशीन का ऊपरी हिस्सा असावधानीवश ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। बिजली के तार से छूते ही धातु की पूरी मशीन में करंट फैल गया। इसकी चपेट में आसपास काम कर रहे मजदूर आ गए। अचानक हुए इस हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। करंट का झटका इतना तेज था कि 5 मजदूरों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ग्रामीणों और



वहां मौजूद लोगों ने बिजली आपूर्ति बंद करवाने के प्रयास किए और घायलों को बचाने में जुट गए। झुलसे हुए मजदूरों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उपचार के दौरान 3 अन्य मजदूरों की भी मौत हो गई। इस तरह हादसे में मृतकों की कुल संख्या 8 पहुंच गई है। वहीं, 5 अन्य लोग करंट से झुलसकर घायल हुए हैं। सभी का उपचार जारी है। इस हादसे में हालेड़ा मंडावरा निवासी एक ही परिवार के चार लोगों की जान चली गई। मृतकों में हरिराम गुर्जर (30), मंगलचंद गुर्जर (22), कालूराम गुर्जर (29) और पवन गुर्जर (23) शामिल हैं। इसके अलावा छापोली निवासी विष्णु सैनी (38), सुरेंद्र उर्फ सुरेश सैनी (30), मुकेश सैनी (27) और फ्लेहचंद सैनी (32) की भी मौत हुई है। हादसे में छापोली निवासी महेंद्र सैनी, गीता देवी (45), संतरा देवी (35), गिदाराम सैनी (45) और मंजू देवी (38) घायल हुए हैं। झुंझुनू के इस भीषण हादसे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गहरा दुख जताया है।

अमेरिका में बिजनेस जेट क्रैश

9 लोगों की मौत,आग का गोला बना विमान

नई दिल्ली। अमेरिका के दक्षिणी फ्लोरिडा में रविवार को एक बड़ा विमान हादसा पेश आया। ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बहामास के लिए उड़ान भरने वाला एक निजी बिजनेस जेट तकनीकी खराबी के चलते अनियंत्रित होकर जमीन पर आ गिरा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विमान में तुरंत भीषण आग लग गई और चारों तरफ घना काला धुआं फैल गया। इस भयावह दुर्घटना में विमान में सवार सभी नौ लोगों की मौके पर ही जान चली गई। अमेरिकी विमानन एजेंसियां अब हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने में जुट गई हैं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान 'लियरजेट 60' था, जिसका टेल नंबर एन 722बीडी दर्ज है। ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रवक्ता जिम रेनॉल्ड्स ने इसे एक अत्यंत दुखद और बड़ी त्रासदी करार दिया।

अमेरिकी परिवहन सचिव शॉन डफी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि विमान में कुल 9 लोग सवार थे और इस दुर्घटना में किसी के भी जीवित बचने की संभावना नहीं रही। फिलहाल विमान में सवार यात्रियों और

प्रशासनिक नोटिस की प्रतियाँ जलाई और आर पार की लड़ाई का ऐलान 21 वें दिन भी जारी

राज्योत्सव के दिन भी पटवारी आक्रोशित रहे

मूक पत्रिका

बेमेतरा:- राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ जिला बेमेतरा की 21 वें दिन भी अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रही। जिले के सभी पटवारियों ने अंतिम सांस तक लड़ने की आवाज बुलंद की। साथ ही साथ सामूहिक निलंबन की भी मांग की। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस यानी राज्योत्सव के दिन जहां प्रदेश भर में उत्सव एवं समारोह आयोजित किया जा रहे हैं वहीं दूसरी ओर राजस्व पटवारी संघ जिला बेमेतरा भी अपने अनिश्चितकालीन हड़ताल के 21 वें दिन में प्रवेश कर गया। अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे पटवारियों ने सोमवार 2 नवंबर को प्रशासन की कार्यवाही के विरोध में अनोखे अंदाज में अपना आक्रोश जाहिर किया। आंदोलनरत पटवारियों ने धरना स्थल पर अनुविभागीय अधिकारी द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस व



तत्काल काम पर लौटने के फरमान की प्रतियाँ जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रांतीय आव्हान पर प्रदेश भर में चार सूत्रीय मांगों को लेकर 13 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की गई है। सोमवार को आंदोलन के 21वें दिन भी पटवारी अपनी मांगों पर अडिग नजर आए। संघ का कहना है कि लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर शासन एवं विभाग का ध्यान आकर्षित कराया जा रहा है, लेकिन अब तक समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण पटवारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। आंदोलन के बीच 1 नवंबर 2026 रविवार के दिन अनु विभागीय अधिकारी द्वाराहड़ताल में शामिल समस्त पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। प्रशासन की ओर से पटवारियों को काम पर लौटने की चेतावनी दी गई। रविवार के दिन नोटिस जारी होने के बाद पटवारी संघ ने आंदोलन को दबाने का प्रयास बताते हुए इसका कड़ा विरोध दर्ज किया और पटवारियों में आक्रोश और बढ़ गया। इसी विरोध के तहत 2 नवंबर को जिले भर के आंदोलनरत पटवारी धरना स्थल पर प्रशासन द्वारा जारी नोटिस की प्रतियाँ जलाकर कड़ा विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पटवारियों ने एक जुटता प्रदर्शित करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि केवल नोटिस जारी करने से उनकी मांगों और आंदोलन को समाप्त नहीं किया जा सकता। राजस्व पटवारी संघ के प्रांताध्यक्ष भागवत कश्यप के निलंबन को लेकर जिले के समस्त पटवारियों में काफी नाराजगी देखी गई। संघ ने प्रांताध्यक्ष के निलंबन को एक तरफा एवं दुर्भावना पूर्ण की गई कार्यवाही बताते हुए इसका कड़ा विरोध प्रदर्शन किया। पटवारियों का कहना है कि संगठन के नेतृत्वकर्ता पर की गई कार्यवाही को वे पूरे संगठन के ऊपर की गई कार्यवाही मानकर इस आंदोलन से जोड़कर देख रहे हैं। ऐसे में सभी पटवारी अपने प्रांतीय नेतृत्व के साथ खड़े हैं और किसी भी परिस्थिति में संगठन की एक जुटता कमजोर नहीं होने देंगे। पटवारियों ने साफ किया कि प्रशासनिक नोटिस, चेतावनी व निलंबन जैसी कार्यवाही से आंदोलन समाप्त नहीं होगा और पटवारी इससे डरने वाले नहीं हैं।जब तक शासन स्तर पर संघ की चार सूत्रीय मांगों को पूरा करने की दिशा में ठोस पहल नहीं होती है तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। पटवारियों ने यह भी कहा कि यदि आंदोलन में शामिल सभी निलंबित पटवारियों का निलंबन वापस नहीं लिया जाता है, तो आंदोलन में शामिल जिले के सभी पटवारियों को भी सामूहिक रूप से निलंबित किया जाए। संघ ने दोहराया कि उनकी मांगों का समाधान बातचीत और सकारात्मक निर्णय से ही संभव है।

बाफना ज्वेलर्स की छत पर युवती ने की आत्महत्या, कोतवाली पुलिस जांच में जुटी



मूक पत्रिका

जगदलपुर। स्थित प्रेमराज संतोष कुमार बाफना ज्वेलर्स की छत पर आज सुबह एक 20 वर्षीय युवती द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है।मिली जानकारी के अनुसार मृतका का नाम प्रतीक्षा बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस द्वारा परिजनों से पूछताछ और जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है, कारण स्पष्ट होने पर ही कुछ कहा जा सकेगा।





केशकाल के ग्राम अरंडी में पूर्व सरपंच गोविंद नेताम की हत्या का खुलासा

पत्नी भगनी नेताम ने धारदार हथियार से की पति की हत्या

हत्या के बाद बेडमा से पुलिस ने आरोपी पत्नी को किया गिरफ्तार

मूक पत्रिका

कोंडागांव जिले के केशकाल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अरंडी में पूर्व सरपंच गोविंद नेताम की हत्या के मामले में स्छह्लक अरुण नेताम ने बड़ा खुलासा कर मिडिया को बताया पति की हत्या किसी अज्ञात व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उसकी पत्नी भगनी नेताम ने ही धारदार हथियार से की थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपी पत्नी की तलाश शुरू की और उसे बेडमा से गिरफ्तार कर लिया। मामले में एसडीओपी अरुण नेताम ने इसकी पुष्टि की है जानकारी के अनुसार, बीती रात पूर्व सरपंच गोविंद नेताम अपने घर में सो रहे थे, इसी दौरान उनकी धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही केशकाल पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मृतक की पत्नी भगनी नेताम की तलाश शुरू की, जिसे बेडमा में पकड़ लिया गया ग्रामीणों के अनुसार, भगनी नेताम पिछले करीब तीन वर्षों से गोविंद नेताम के साथ रह रही थी। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि आरोपी महिला शराब का सेवन करती थी। वहीं, पुलिस के अनुसार आरोपी भगनी नेताम अपने पहले पति की हत्या के मामले में भी जेल जा चुकी है फिलहाल पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या के कारणों सहित पूरे मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

नक्सलवाद के चलते आम लोगों की पहुंच से दूर था टाइगर रिजर्व, अब बाघ, तेंदुआ और बारहसिंगा समेत वन्यजीवों को देखने का मिलेगा मौका

तीन दशक बाद इंद्रावती के जंगलों में शुरू हुई सफारी







मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। करीब तीन दशक तक नक्सलवाद के प्रभाव के कारण पर्यटकों की पहुंच से दूर रहे इंद्रावती टाइगर रिजर्व के जंगलों में अब पर्यटकों की चहल-पहल शुरू होगी। रविवार 1 नवंबर से यहां जंगल सफारी शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही पर्यटक पहली बार इस वन क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, घने जंगलों और समृद्ध जैव विविधता को करीब से देख सकेंगे। सफारी के लिए वन विभाग ने प्रति जिप्सी 2000 रुपए शुल्क तय किया है। एक जिप्सी में अधिकतम छह पर्यटक बैठ सकेंगे।वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने रायपुर से ऑनलाइन बटन दबाकर सफारी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश और वन मंत्री के मार्गदर्शन में शुरू हुई इस पहल को जिले में पर्यटन की नई संभावनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। शुभारंभ कार्यक्रम में सफारी क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, वन्यजीवों और पर्यटन की संभावनाओं पर आधारित वीडियो भी दिखाया गया।

जंगल में बाघ, तेंदुआ और बारहसिंगा देखने का मौका-इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघ, चीतल, नीलगाय, बारहसिंगा, तेंदुआ, लोमड़ी और जंगली सूअर सहित कई वन्यजीव पाए जाते हैं। सफारी के दौरान पर्यटकों को इन्हें प्राकृतिक आवास में देखने का मौका मिल सकता है। जंगल के बीच फैली घासभूमियां और अलग-अलग प्रजातियों के पेड़-पौधे भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। प्रत्येक सफारी करीब 45 मिनट की होगी। सुबह 6 बजे और दोपहर 3 बजे सफारी का समय निर्धारित किया गया है। हर जिप्सी के साथ प्रशिक्षित गाइड रहेगा, जो पर्यटकों को जंगल, वन्यजीवों और वनस्पतियों के बारे में जानकारी देगा। टिकट निर्धारित काउंटर से मिलेंगे।

पर्यटन से स्थानीय लोगों को रोजगार की उम्मीद-लंबे समय तक नक्सलवाद के प्रभाव के कारण पर्यटन की गतिविधियों से दूर रहे इस इलाके में सफारी शुरू होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर बनने की उम्मीद है। इससे स्थानीय समुदायों की पर्यटन गतिविधियों में भागीदारी बढ़ सकती है। हालांकि, पर्यटन को आगे बढ़ाने के साथ वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास और पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखना भी जरूरी होगा।

ये रहे मौजूदः शुभारंभ कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, उपाध्यक्ष पेरे पुल्लेया, मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) उत्तम कुमार गुप्ता, कलेक्टर विश्वदीप, एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता, वन मंडलाधिकारी एवं इंद्रावती टाइगर रिजर्व के उप संचालक सुमेध संजय सुरवाड़े सहित जनप्रतिनिधि, वन विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्योत्सव में विकास की झलक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कृषि मंत्री रामविचार नेताम बोले- छत्तीसगढ़ को विकास के सशक्त मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही सरकार

हितग्राहियों को सामग्री और सहायता का वितरण, छत्तीसगढ़ी गायिका आरु साहू के गीतों ने बांधा समां





अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को अंबिकापुर के कला केंद्र मैदान में राज्योत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह में विभिन्न विभागों के स्टॉल, हितग्राहीमूलक योजनाओं का वितरण और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच और ऐतिहासिक निर्णय का परिणाम है। राज्य निर्माण के 26 वर्ष पूरे होना प्रदेशवासियों के लिए गौरव और ऐतिहासिक उपलब्धि का अवसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ आज विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है और राज्य शासन प्रदेश को विकास के सशक्त मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है।मंत्री ने कहा कि सरकार सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है।

किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए किसान सम्मान निधि, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, कृषक उन्नति योजना और स्वाइल हेल्थ कार्ड जैसी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। वहीं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने भी राज्य निर्माण के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सड़क एवं अधोसंरचना विकास को प्रदेश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताया।

हितग्राहियों को मिली योजनाओं की सौगात-समारोह में मुख्य अतिथि रामविचार नेताम ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया और हितग्राहियों को सामग्री एवं सहायता प्रदान की। पशुधन विकास विभाग ने दो हितग्राहियों को नर बकरा योजना के तहत चेक वितरित किए। कृषि विभाग ने पांच हितग्राहियों को स्वाइल हेल्थ कार्ड तथा मत्स्य पालन विभाग ने आईस बॉक्स एवं जाल प्रदान किया। महिला एवं बाल विकास विभाग ने पांच हितग्राहियों को नियुक्ति पत्र दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तीन हितग्राहियों को खुशियों की चाबी सौंपी गई। वहीं बिहान के 11 समूहों को चेक और दो समूहों को महतारी सदन की चाबी प्रदान की गई। समाज कल्याण विभाग ने पांच हितग्राहियों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल वितरित की। इसके अलावा पर्यटन, जेल, स्कूल शिक्षा एवं अन्य विभागों के हितग्राहियों को भी प्रमाण पत्र और सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

आरु साहू के गीतों पर झूमे दर्शक-राज्योत्सव की संध्या सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजी रही। छत्तीसगढ़ी गायिका आरु साहू ने अपने गीतों से दर्शकों का मन मोह लिया। स्थानीय गायक स्वप्निल जायसवाल ने बॉलीवुड गीतों की प्रस्तुति दी।

भटगांव कोल माइंस पर संकट, 1100 श्रमिकों के भविष्य पर मंडराया खतरा

पर्यावरणीय अनुमति नहीं मिलने से खदान बंद होने की स्थिति, बीएमएस 13 सूत्रीय मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर



सूरजपुर। क्या भटगांव कोल माइंस का अस्तित्व खतरे में है? पर्यावरणीय अनुमति नहीं मिलने के कारण भटगांव अंडरग्राउंड कोल माइंस के बंद होने की आशंका ने क्षेत्र में चिंता बढ़ा दी है। खदान बंद होने की स्थिति में लगभग 1100 श्रमिकों के स्थानांतरण और विस्थापन की नौबत आ सकती है। इसे लेकर भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) श्रमिक संगठन 27 अक्टूबर से खदान के बाहर क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठा है। संगठन ने अपनी 13 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। श्रमिक संगठन का आरोप है कि पिछले दो वर्षों से खदान के संचालन के लिए आवश्यक अनुमति की प्रक्रिया लंबित है।

संगठन के अनुसार, क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भी प्रबंधन को पर्यावरणीय अनुमति के लिए आवश्यक दस्तावेज पूर्ण कर केंद्र सरकार से स्वीकृति प्राप्त करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। संगठन का कहना है कि प्रबंधन की कथित लापरवाही के कारण भटगांव की एक-दो खदानें एक नवंबर से बंद हो गई हैं। वहीं, खदान में कार्यरत कर्मचारियों का दूसरे क्षेत्रों में स्थानांतरण करने की तैयारी की जा रही है। श्रमिकों का सवाल है कि यदि अनुमति संबंधी दस्तावेज पूरे नहीं हुए।

शिक्षा और सामाजिक संगठन के विस्तार पर बनी रणनीति

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज की प्रदेश प्रबंध कार्यकारिणी की मासिक बैठक संपन्न

मूक पत्रिका

रायपुर - प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज प्रदेश प्रबंध कार्यकारिणी, शिक्षा प्रकोष्ठ एवं जिला अध्यक्षों की मासिक बैठक 1 नवंबर को न्यू राजेंद्र नगर, रायपुर में प्रदेश अध्यक्ष एल.एल. कोशले की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की गुरु वंदना एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर अहिवारा के दिवंगत विधायक राजमहंत दोमनलाल कोर्सेवाड़ा को प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में समाज के संगठनात्मक विस्तार, शिक्षा, युवा एवं महिला सशक्तीकरण तथा सामाजिक गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा कर कार्ययोजना तैयार की गई।



शिक्षा प्रकोष्ठ का सभी जिलों एवं ब्लॉकों में होगा गठन-बैठक में निर्णय लिया गया कि छत्तीसगढ़ के सभी जिलों एवं ब्लॉकों में शिक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया जाएगा। स्थान की उपलब्धता के अनुसार स्कूलों का संचालन करने की दिशा में भी पहल की जाएगी। शिक्षा के क्षेत्र में रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जिला अध्यक्षों ने अपने-अपने जिलों में स्कूल संचालन, कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 70 से 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का प्रतिवर्ष सम्मान, पे-बैक सोसायटी का गठन तथा प्रतिभावान एवं जरूरतमंद बच्चों को सहयोग देने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव रखे।

युवा एवं महिला प्रकोष्ठ को सक्रिय करने पर जोर-प्रदेश युवा प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ के कार्यों की समीक्षा की गई। सभी जिलों एवं ब्लॉकों में इन प्रकोष्ठों का गठन कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक रचनात्मक गतिविधियों का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया। युवा एवं महिला टीम को अपनी सक्रियता बढ़ाने तथा जिला एवं ब्लॉक स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

आजीवन सदस्यता एवं संगठन विस्तार पर चर्चा-बैठक में निर्णय लिया गया कि जिन जिलों द्वारा आजीवन सदस्यता के लिए तीन वर्ष की राशि संस्था में जमा की गई है, वहां के जिला अध्यक्ष प्रदेश कार्यालय से अपने जिले की सूची प्राप्त कर संबंधित सदस्यों की आजीवन सदस्यता की प्रक्रिया पूर्ण करें। साथ ही सदस्यों से चर्चा कर शेष राशि आवश्यक रूप से प्रदेश कार्यालय में जमा कराई जाए। रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, कवर्धा एवं गरियाबंद जिलों में संगठन के विस्तार और नई टीम के गठन को लेकर भी चर्चा हुई। कुछ प्रदेश पदाधिकारियों की असुविधा को देखते हुए जिला प्रभार में भी बदलाव किया गया।

गांव-गांव तक पहुंचेगा सामाजिक एजेंडा-प्रदेश जिला प्रभारियों को अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में सक्रियता बढ़ाने तथा सभी प्रकोष्ठों का गठन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही ब्लॉक, परिक्षेत्र एवं ग्राम कमेटियों के गठन पर विशेष ध्यान देने और समाज के निर्धारित 15 बिंदुओं को गांव-गांव तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। जिला अध्यक्षों ने अपने-अपने जिलों में किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की तथा आगामी कार्ययोजनाओं पर विचार-विमर्श किया। रायपुर शहर के सभी वार्डों में वरिष्ठ, युवा एवं महिला वर्ग को शामिल करते हुए संयुक्त वार्ड पदाधिकारी बनाने का निर्णय भी लिया गया।

सामाजिक सर्वे से मिलेगी समाज की वास्तविक स्थिति की जानकारी-बैठक में वार्ड एवं ग्राम स्तर पर सामाजिक सर्वे रिपोर्ट तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके माध्यम से समाज की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति का वास्तविक आंकलन किया जाएगा, जिससे भविष्य में जरूरतमंद परिवारों, विद्यार्थियों एवं समाज के विकास के लिए प्रभावी योजनाएं बनाई जा सकें।

ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थित-बैठक में प्रदेश अध्यक्ष एल.एल. कोशले, महासचिव मोहन बंजारे, उपाध्यक्ष श्रीमती सुशीला सोनवानी, सहसचिव दिनेश बंजारे, प्रदेश प्रवक्ता राजमहंत पी.एल. कोसरिया, कोषाध्यक्ष श्याम टांडे, संरक्षक एच.एल.एल. रात्रे, खेलवार जी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गुलाब टंडन, एस.आर. बंजारे, डमरूधर मनहर, द्रोपती जोशी, निशा ओगरे, रजनी दांडे, प्रदेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रदीप कुमार श्रृंगी, उपाध्यक्ष दिनेश लहरें एवं सुशील भारतद्वाज, महासचिव अशोक बंजारे, कोषाध्यक्ष हेमंत भारतद्वाज, संतोष कोसरिया, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुश्री अंजली बरमल, शिक्षा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डी.एल. डहरिया एवं उपाध्यक्ष श्री निराला सहित विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला अध्यक्ष बेमेतरा राजलाल बंजारे, जिला अध्यक्ष महासमुंद विजय बंजारे, जिला अध्यक्ष जांजगीर-चांपा भूषण खटकर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भाटापारा मोहन बारले, रायपुर शहर अध्यक्ष मनोज बंजारे, ओमप्रकाश बंजारे, पलारी सहित खरसिया ब्लॉक अध्यक्ष रामनारायण भारतद्वाज, जिला अध्यक्ष बलौदाबाजार यूथ कोशले तथा रायगढ़ सहित विभिन्न जिलों के शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों ने सहभागिता निभाई और अपने विचार रखे। बैठक में लिए गए निर्णयों से स्पष्ट है कि प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज शिक्षा, संगठनात्मक मजबूती, युवा एवं महिला सशक्तीकरण तथा सामाजिक विकास को नई दिशा देने के लिए प्रदेशव्यापी स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की तैयारी में है।

नेशनल पार्क के पील्लूर में कलेक्टर-एसपी ने लगाई जनचौपाल, ग्रामीणों से जानी समस्याएं

धान पंजीयन, स्कूल और सरकारी योजनाओं पर हुई चर्चा, एसपी ने नए थाने को जल्द शुरू करने की दी जानकारी

मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। नेशनल पार्क क्षेत्र के दूरस्थ गांवों तक शासन की योजनाओं और प्रशासनिक सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने कलेक्टर विश्वदीप और एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता एक नवंबर को ग्राम पील्लूर पहुंचे।

यहां जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान खेती-किसानी, धान बिक्री के लिए पंजीयन, स्कूल खोलने और सुरक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दे सामने आए।जनचौपाल में कलेक्टर ने ग्रामीणों को छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने जॉब कार्ड, आयुष्मान कार्ड और खेती-किसानी से जुड़ी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्र हितग्राहियों को प्रोत्साहित किया। किसानों को धान बिक्री के लिए पटवारी से संपर्क कर पंजीयन कराने कहा। मौके पर





मौजूद पटवारी को ग्रामीणों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। गांव में स्कूल खोलने के विषय पर भी चर्चा की गई।

पील्लूर में जल्द शुरू होगा स्वीकृत थाना

एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने ग्रामीणों को बताया कि पील्लूर में नया थाना स्वीकृत हो चुका है और इसे जल्द शुरू किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही ग्रामीण युवाओं को बस्तर फाइटर्स आरक्षक भर्ती के जारी विज्ञापन की जानकारी देकर भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

दो सुरक्षा कैंपों का किया निरीक्षण

ग्राम भ्रमण के दौरान एसपी ने सुरक्षा कैंप कांडलापर्ती-2 और पील्लूर का निरीक्षण किया। उन्होंने कैंपों में सुरक्षा व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बच्चों को बांटे गुब्बारे और चॉकलेट

जनचौपाल में पहुंचे बच्चों को गुब्बारे, बिस्किट और चॉकलेट वितरित किए गए। इससे बच्चों में उत्साह देखने को मिला। इस दौरान पील्लूर के जनपद सदस्य और ग्राम पंचायत बड़े काकलेर के सरपंच एवं पंचों ने कलेक्टर और एसपी का स्वागत किया।

ये रहे मौजूदः

जनचौपाल में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऑप्स राहुल बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम कामड़े, एसडीएम भोपालपटनम भूपेंद्र गावड़े, तहसीलदार भोपालपटनम सहित प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन में डॉ. आर.एस. सिंह के नेतृत्व पर फिर लगी मुहर

सर्वसम्मति से पुनः निर्विरोध चुने गए जिला संयोजक

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के सूरजपुर जिला संयोजक पद पर डॉ. आर.एस. सिंह एक बार फिर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। उनके पुनः चयन से जिले के विभिन्न कर्मचारी-अधिकारी संगठनों में हर्ष का माहौल है। पदाधिकारियों ने उनके नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए कर्मचारी हितों की लड़ाई को और मजबूती मिलने की उम्मीद व्यक्त की।फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में जिला संयोजकों के चयन के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इसी क्रम में सूरजपुर जिले में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए प्रांतीय पर्यवेक्षक ओंकार सिंह, रोहित तिवारी, जी.आर. चंद्रा, डॉ. नृपेंद्र सिंह एवं सत्येंद्र देवांगन जिला अस्पताल के सभागार पहुंचे। पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में जिला संयोजक पद के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए। छत्तीसगढ़ प्रदेश



तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष मनीष दीपक साहू ने डॉ. आर.एस. सिंह के नाम का प्रस्ताव रखा।

संयुक्त शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सचिन त्रिपाठी एवं सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के अध्यक्ष शशि भूषण दुबे ने प्रस्ताव का समर्थन किया। इसके बाद विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव का अनुमोदन किया। इस प्रकार डॉ. सिंह निर्विरोध जिला संयोजक निर्वाचित घोषित किए गए।निर्वाचन प्रक्रिया में लिपिक, शिक्षक, स्वास्थ्य, राजस्व, वन, पेंशनर एवं अन्य कर्मचारी संगठनों के जिलाध्यक्ष और प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी ने डॉ. सिंह के नेतृत्व, सक्रियता एवं संगठनात्मक कार्यों की सराहना की।पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि डॉ. आर.एस. सिंह के नेतृत्व में फेडरेशन कर्मचारी-अधिकारी हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाएगा तथा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेगा।

जिले में 772 मतदान केंद्रों का प्रकाशन, 12 नवंबर को आएगी प्रारूप मतदाता सूची

बलरामपुर। फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत बलरामपुर जिले के रामानुजगंज एवं सामरी विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों का प्रकाशन किया गया है। जिले में कुल 772 मतदान केंद्र स्थापित हैं। वहीं, 12 नवंबर 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में 168, रामानुजगंज में 302 तथा सामरी विधानसभा क्षेत्र में 302 मतदान केंद्र शामिल हैं। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के वाड्रफनगर एवं रघुनाथनगर तहसील के 168 मतदान केंद्रों का प्रकाशन जिला सूरजपुर द्वारा किया जाएगा।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने बताया कि इस बार



किसी भी मतदान केंद्र में बदलाव नहीं किया गया है। सभी केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से कम है। साथ ही मतदान केंद्र मतदाताओं के निवास से दो किलोमीटर के दायरे में स्थित हैं तथा सभी केंद्र भूतल पर हैं।मतदान केंद्रों की सूची निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों, संबंधित मतदान केंद्रों तथा भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर उपलब्ध है। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर चल रहे पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 12 नवंबर को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होगी। इसके बाद 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। इनका निराकरण 28 दिसंबर तक किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची 04 जनवरी 2027 को प्रकाशित होगी।जिला निर्वाचन अधिकारी ने युवाओं एवं पहली बार मतदाता बनने वाले पात्र नागरिकों से निर्धारित अवधि में अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने की अपील की है।

सांसद विजय बघेल ने गिनाई राज्य और जिले के विकास की उपलब्धियां, जिलेवासियों को दी राज्योत्सव की शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में गौरवशाली इतिहास को संजोते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की ओर अग्रसर - सांसद बघेल

मूक पत्रिका

बेमेतरा - बेसिक स्कूल ग्राउंड मैदान बेमेतरा में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने जिलेवासियों को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सांसद बघेल अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और परंपरा को संजोए रखने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ को तराश कर विकसित और समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में





अनूठा कार्य हो रहा है। सांसद बघेल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को समृद्ध, खुशहाल, सशक्त नारी और युवा उड़ान के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई जा रही हैं। महतारी वंदन, कृषक उन्नति, नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं ने प्रदेश के विकास को नई गति दी है।इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि बेमेतरा जिले में शिक्षा, सिंचाई, पेयजल और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हो रहे हैं। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि हम सभी को संकल्प के साथ क्षेत्र और राज्य को स्वच्छ, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान देना होगा। युवाओं को आगे आकर विकास में सहभागी बनना होगा।कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले में हुए चहुंमुखी विकास की जानकारी देते हुए कहा कि जिले में विकास, शांति, सुशासन और जल संरक्षण के क्षेत्र में जनभागीदारी से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं।कार्यक्रम के अंत में सांसद विजय बघेल सहित जनप्रतिनिधियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभागीय स्टॉल प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं और विभागों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जिला पंचायत बेमेतरा, श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बेमेतरा विजय सिन्हा, अध्यक्ष जनपद पंचायत बेमेतरा श्रीमती हेमा जय दिवाकर, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू,एवं जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगरीय निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

राज्योत्सव में जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी में दिखी शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की तस्वीर

जनमन पत्रिका का वितरण कर नागरिकों को दी गई योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक दिवसीय राज्योत्सव में जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतिगत पहलों एवं विकासोन्मुख कार्यक्रमों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं, नवाचारों एवं उपलब्धियों से रूबरू कराया गया।

एक ही स्थल पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी मिलने से आमजन में उत्साह देखने को मिला।प्रदर्शनी में महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, कृषक उन्नति योजना, सड़क विकास, युवा कल्याण, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, घर-घर निर्मल जल अभियान, शक्तिपीठ परियोजना, तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिलने वाले लाभ सहित विभिन्न



योजनाओं को प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत लाभान्वित परिवारों, महिला स्व सहायता समूहों को विशेष प्रोत्साहन, सेवा सेतु, मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना एवं श्री रामलला दर्शन योजना के तहत निःशुल्क यात्रा की जानकारी भी प्रदर्शनी में शामिल रही।जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित जनमन पत्रिका का वितरण भी किया गया। पत्रिका के माध्यम से नागरिकों को शासन की नीतियों, नवाचारों, विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई गई। प्रदर्शनी स्थल पर नागरिकों ने पत्रिका को उत्साहपूर्वक प्राप्त किया और उसमें प्रकाशित जानकारियों को पढ़ने में रुचि दिखाई।ग्राम कल्याणपुर पोड़ीपा निवासी श्रीमती बुद्धेश्वरी सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसान, महिला, श्रमिक एवं युवाओं सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं से लोगों को सामाजिक एवं आर्थिक संबल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क विभाग की पत्र-पत्रिकाएं शासन की योजनाओं की सटीक एवं अद्यतन जानकारी देने का अच्छा माध्यम हैं। वहीं श्रीमती तारामनी ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से जनहितकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी आमजन तक पहुंच रही है। योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ने से नागरिक इनसे जुड़कर प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो सकेंगे।

शिवनंदनपुर में 65.07 लाख रुपये से बनेगा एमआरएफ-एसएलआरएम सेंटर

सूरजपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर में शहरी स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने और बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सोमवार को 65.07 लाख रुपये की लागत से बनने वाले एमआरएफ-एसएलआरएम सेंटर के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस केंद्र के निर्माण से नगर में कचरे के पृथक्करण, पुनर्चक्रण और व्यवस्थित अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। केंद्र के माध्यम से विभिन्न प्रकार के कचरे को अलग-अलग कर उसके उचित निपटान और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे नगर की स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता और बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन



आवश्यक है। इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों से नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि एमआरएफ-एसएलआरएम सेंटर का निर्माण शिवनंदनपुर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।केंद्र के निर्माण से नगर में कचरे के उचित प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।इस पहल से स्वच्छ एवं सुंदर शिवनंदनपुर के निर्माण को गति मिलने की उम्मीद है। भूमिपूजन कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सुप्रसिद्ध लोकगायिका अल्का चंद्राकर की प्रस्तुति पर झूम उठा बेमेतरा, स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने जीता दिल

बेमेतरा में हर्षोल्लास से मना राज्योत्सव, विकास की अनुपम झलक और लोकसंस्कृति के रंगों से सराबोर हुआ बेसिक स्कूल ग्राउंड









मूक पत्रिका

बेमेतरा - छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय बेमेतरा स्थित बेसिक स्कूल ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। पूरा मैदान छत्तीसगढ़िया संस्कृति, विकास और उल्लास के त्रिवेणी संगम का गवाह बना। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद विजय बघेल, मंत्री दयाल दास बघेल एवं अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विकास प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया।

विकास प्रदर्शनी में दिखी अनवरत विकास की झलक-जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों - कृषि, उद्यानिकी, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आदिवासी विकास सहित विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे महतारी वंदन योजना, कृषक उन्नति योजना, पीएम आवास, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत योजना से आम नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन की जीवंत झलक देखने को मिली। लोगों ने योजनाओं की जानकारी ली और लाभान्वित हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए।

लोकसंस्कृति की चमक बिखेरती स्कूली बच्चों की प्रस्तुति -राज्योत्सव मंच पर शासकीय शालाओं के छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति की अनुपम छटा बिखेरी। बच्चों द्वारा प्रस्तुत पंथी नृत्य की थाप, पंडवानी का ओजस्वी गायन, आदिवासी लोकगीतों की मधुरता और सुआ नृत्य की मनमोहक लय ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की एक-एक प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया।अल्का चंद्राकर के गीतों पर झूम उठा बेमेतरा -कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोकगायिका सुश्री अल्का चंद्राकर की सांस्कृतिक प्रस्तुति रही। उनके द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ी लोकगीतों - ÷अरपा पैरी के धार...÷ और सुआ, ददरिया गीतों पर पूरा पंडाल झूम उठा। उनकी सुरीली आवाज ने दर्शकों को छत्तीसगढ़ की माटी से जोड़ दिया और देर रात तक लोग उनकी प्रस्तुति का आनंद लेते रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, जिला पंचायत सीईओ सुश्री प्रेमलता पद्माकर सहित जिला स्तरीय अधिकारी, बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, नागरिकगण और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

टाटा की आड़ में राहुल का हमला

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी मोदी सरकार पर हमले का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इसका उन्हें राजनीतिक लाभ कितना होगा, कहना मुश्किल है, लेकिन वो अपने आक्रमण की धार कम नहीं होने देना चाहते। इसी श्रृंखला में ताजा कड़ी देश के प्रमुख औद्योगिक घराने टाटा की आड़ में किया गया हमला है। टाटा उद्योग समूह की आपसी लड़ाई को मोदी सरकार से जोड़ते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार टाटा ग्रुप को 'आपराधिक तरीके से बर्बाद' करना चाहती है। कोई बिजनेस लीडर इसके खिलाफ नहीं बोल रहा है। लेकिन हम इसका इंसाफ करेंगे। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सवाल उठाया कि आखिर किन 'कानूनी और व्यावसायिक मामलों' को सुलझाने के लिए टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के प्रतिनिधियों को गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर बुलाया गया था? राहुल ने तंज कसते हुए पूछा कि सरकार के 'क्रोनी नंबर 1' की एंट्री इस खेल में कब होगी, उन्हें टाटा का कौन सा हिस्सा दिया जाएगा? राहुल ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से कहा कि आपके 3-4 खास दोस्तों को छोड़कर भारत के बाकी सभी कारोबारी पहले से ही आप सभी से नफरत करते हैं, उन्हें किसी उकसावे की जरूरत नहीं है। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राहुल गांधी के आरोपों का करारा जवाब देते हुए कहा कि वो हर जगह भूत देखना बंद कर दें। निर्मला सीतारमण ने आगे कहा कि विपक्ष के नेता होने के नाते राहुल को हर व्यावसायिक और कानूनी मामले को आपराधिक करार देकर राजनीति करने से बचना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के इतिहास पर भी हमला बोलते हुए कहा कि दशकों तक कांग्रेस के 'लाइसेंस-कोटा राज' ने भारतीय उद्यमियों का दम घोंटा और देश को गरीबी में धकेला। दरअसल विवाद की मुख्य वजह टाटा ग्रुप में टाटा संस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के पद पर एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर है। टाटा ट्रस्ट्स के प्रमुख नोएल टाटा ने इस नियुक्ति को सीधे चुनौती दी है। उन्होंने 26 अक्टूबर को कंपनी सेक्रेटरी को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि यह प्रक्रिया नियमों की अनदेखी कर बिना चयन समिति की सिफारिश के पूरी की गई है। नोएल टाटा ने बोर्ड बैठक के मिनट्स और वोटिंग डिटेल्स मांगते हुए रेगुलेटर्स को सूचित करने को कहा है कि यह फैसला पूरी तरह विवादित है। इस कदम के बाद से ही टाटा ग्रुप के भीतर कानूनी और रणनीतिक घमासान तेज हो गया। इसके अलावा आरबीआई चाहता है कि टाटा संस शेयर बाजार में लिस्ट हो ताकि पारदर्शिता बनी रहे। हालांकि, 66% हिस्सेदारी रखने वाला टाटा ट्रस्ट्स इसके सख्त खिलाफ है क्योंकि इससे ग्रुप पर उसका कंट्रोल कम हो सकता है। इस बीच नोएल टाटा ने रिटायरमेंट पॉलिसी के तहत कुछ कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है।

नशे की लत सिर्फ व्यक्तिगत समस्या नहीं समाज और व्यवस्था की भी जिमेदारी

फिल्मों, मनोरंजन और सामाजिक आयोजनों में शराब या धूम्रपान को आधुनिकता, सफलता और उत्सव से जोड़कर दिखाने का असर युवाओं पर पड़ सकता है। नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध को लेकर कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान न करने, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण, नाबालिगों को नशीले पदार्थों से दूर रखना और इनके अवैध कारोबार पर कार्रवाई जैसे कदम तभी प्रभावी होंगे, जब निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित हो।

ज्योति सिडाना

सरकार का दायित्व नागरिकों को केवल आर्थिक अवसर उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना भी है। नशीले पदार्थों से उपजी समस्या को भी इस कसौटी पर गंभीरता से देखने की जरूरत है। इनके वैध कारोबार से मिलने वाले राजस्व का तर्क अपनी जगह है, लेकिन सवाल है कि क्या यह कमाई समाज और अर्थव्यवस्था को नशे के कारण होने वाले नुकसान से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है!

जब किसी पदार्थ का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य, विवेक, संबंधों और उत्पादकता को नष्ट करने लगे, तब उसे केवल व्यक्तिगत पसंद मानकर छोड़ देना सरकार और समाज, दोनों का जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने जैसा है। यही नहीं, नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार भी लगातार फैलता जा रहा है, जो खासकर युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है।

नशे की समस्या को समझने के लिए सबसे पहले आदत और लत के बीच का अंतर जानना जरूरी है। आदत को बदला जा सकता है, लेकिन लत व्यक्ति की इच्छाशक्ति, निर्णय क्षमता और दैनिक जीवन को इस हद तक प्रभावित कर सकती है कि उससे बाहर निकलना कठिन हो जाता है। यहां चर्चा मादक पदार्थों, शराब और तंबाकू के सेवन की हो रही है। आधुनिक तंत्रिका विज्ञान नशे की लत को मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में होने वाले बदलावों से जोड़ता है। नशीले पदार्थों के सेवन से मस्तिष्क की प्रणाली प्रभावित होती है और निर्णय लेने तथा आवेगों पर नियंत्रण रखने की क्षमता कमजोर पड़ती है। इसीलिए नशे की लत को केवल चरित्र की कमजोरी या इच्छाशक्ति का अभाव मानना उचित नहीं है। यह ऐसी समस्या है, जिसके लिए उपचार और पुनर्वास की जरूरत होती है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें, तो नशा कई बार व्यक्ति के लिए तनाव, अकेलेपन, अवसाद या पुराने मानसिक आघात से अस्थायी राहत पाने का माध्यम बन जाता है। सवाल यह नहीं कि व्यक्ति नशे की ओर क्यों आकर्षित हुआ, बल्कि यह भी है कि वह किस पीड़ा से बचने की कोशिश कर रहा है। बचपन में हिंसा, उपेक्षा, पारिवारिक कलह और असुरक्षा के अनुभव आगे चलकर नशे के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसे अनुभवों से गुजरने वाला हर व्यक्ति नशे का आदी हो जाएगा, बल्कि यह कि समय रहते भावनात्मक सहारा और उचित सहायता मिलने से जोखिम कम किया जा सकता है। समाजशास्त्रीय दृष्टि से नशे को व्यक्तिगत समस्या तक सीमित नहीं रखा जा सकता। परिवार, मित्र समूह, रोजगार, सामाजिक संबंध और आसपास का वातावरण उसके व्यवहार को प्रभावित करते हैं। दूसरी ओर, यदि परिवार और मित्रों के बीच नशे को सामान्य व्यवहार या प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है, तो खासकर किशोर और युवा इसे अपनाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। कभी वे परिपक्व दिखने के लिए, कभी साथियों के दबाव में और कभी आत्मविश्वास या ऊर्जा बढ़ाने की गलत धारणा के कारण नशे की शुरुआत करते हैं। इस तरह व्यक्तिगत चुनाव के पीछे सामाजिक परिस्थितियों की भूमिका भी खास होती है।



अमेरिकी मनोवैज्ञानिक ब्रूस अलेक्जेंडर के चर्चित रैट पार्क प्रयोग ने इस संबंध में एक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाया। प्रयोग में चूहों के अलगाव और समृद्ध सामाजिक वातावरण के बीच नशीले पदार्थों के सेवन के व्यवहार की तुलना की गई। इससे यह समझने में मदद मिली कि सामाजिक संपर्क और अनुकूल वातावरण नशे के व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। इसी तरह वियतनाम युद्ध के दौरान हेरोइन का सेवन करने वाले अमेरिकी सैनिकों पर किए गए एक अध्ययन में उनमें से ज्यादातर का स्वदेश लौटने के बाद नशे से दूर हो जाना दर्ज किया गया। इन निष्कर्षों से यह संकेत मिलता है कि नशे की लत को समझने में वातावरण, तनाव और सामाजिक परिस्थितियों की अनदेखी नहीं की जा सकती। हालांकि, इससे यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा कि केवल माहौल बदलने से हर व्यक्ति की लत बिना उपचार के छूट सकती है। कई लोगों को चिकित्सकीय सहायता और लंबे समय तक सहयोग की जरूरत होती है।

नशे के प्रसार के पीछे आर्थिक हितों का प्रश्न भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। एक ओर सरकारें शराब और तंबाकू से राजस्व प्राप्त करती हैं, दूसरी ओर उन्हीं के दुष्परिणामों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता अभियानों और नशामुक्ति कार्यक्रमों पर खर्च करती हैं। यह विरोधाभास सार्वजनिक नीति की गंभीर चुनौती है। राजस्व को उपलब्धि मानने से पहले यह आकलन होना चाहिए कि नशे के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाला बोझ, कार्यक्षमता में कमी, दुर्घटनाएं, पारिवारिक संकट और अपराध की आशंका समाज से कितनी बड़ी कीमत वसूलते हैं। किसी पदार्थ से होने वाली आय को उसके सामाजिक नुकसान से अलग करके नहीं देखा जा सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शराब और मन:प्रभावी पदार्थों के सेवन को गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती माना है। इसके बावजूद नशे का आकर्षण कम नहीं हो रहा। फिल्मों, मनोरंजन और सामाजिक आयोजनों में शराब या धूम्रपान को आधुनिकता, सफलता और उत्सव से जोड़कर दिखाने का असर युवाओं पर पड़ सकता है। नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध को लेकर कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान न करने, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण, नाबालिगों को नशीले पदार्थों से दूर रखना और इनके अवैध कारोबार पर कार्रवाई जैसे कदम तभी प्रभावी होंगे, जब निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित हो। इस संदर्भ में आइसलैंड का अनुभव उल्लेखनीय है। वहां किशोरों में नशे की प्रवृत्ति कम करने के लिए परिवारों की भागीदारी, खेलकूद, संगीत और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के अवसर बढ़ाने तथा बच्चों के खाली समय को सकारात्मक दिशा देने पर जोर दिया गया। इस दृष्टिकोण का मूल विचार था कि किशोरों को केवल नशे से दूर रहने की सलाह देना पर्याप्त नहीं, उन्हें ऐसे विकल्प भी चाहिए, जो जीवन में आनंद, अपनापन और उद्देश्य की भावना पैदा करें। भारत में भी खेल के मैदान, पुस्तकालय, सांस्कृतिक केंद्र और परामर्श सेवाएं विशेषकर छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ कराई जानी चाहिए। नशामुक्त समाज के लिए तीन स्तरों पर काम करना होगा- रोकथाम, उपचार और पुनर्वास। रोकथाम के तहत परिवार, विद्यालय और समुदाय मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं, जिसमें नशे को प्रतिष्ठा नहीं, जोखिम समझा जाए। उपचार के स्तर पर नशे की लत से जूझ रहे व्यक्ति को अपराधी या नैतिक रूप से कमजोर मानने के बजाय चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। पुनर्वास में रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और पारिवारिक सहयोग की भूमिका सुनिश्चित हो, ताकि उपचार के बाद व्यक्ति सम्मानपूर्वक जीवन की ओर लौट सके। केवल नशा छोड़ने की सलाह देना पर्याप्त नहीं, उसे जीवन में लौटने का अवसर भी देना होगा। नशे के विरुद्ध लड़ाई का उद्देश्य केवल नशीले पदार्थों की खपत घटाना नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों को बदलना भी होना चाहिए, जो व्यक्ति को उनकी ओर धकेलती हैं। सुरक्षित बचपन, सार्थक रोजगार, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं और रचनात्मक गतिविधियां नशामुक्ति की मजबूत नींव बन सकती हैं।

सीखने की चाह ही बढ़ाती है ज्ञान विनम्रता से खुलते हैं नए रास्ते

एस. अमिताभ

जीवन में सबसे बड़ा बदलाव तब आने लगता है, जब कोई मान लेता है कि मैं नहीं जानता। जब तक कोई यह समझता है कि मैं सब जानता हूं, तब तक वह नया ज्ञान और नई जानकारियां हासिल करने की कोशिश नहीं करता। ऐसी स्थिति में नया ज्ञान या जानकारी उसे मिल ही नहीं सकती। बिल्कुल वैसे ही, जैसे भरे हुए गिलास में और पानी नहीं डाला जा सकता। जबकि खाली या आधे भरे गिलास में और पानी डालने की काफी गुंजाइश रहती है। यानी ऐसा दिल और दिमाग होना चाहिए, जिसमें जानने की जिज्ञासा हो, हर वक्त नया ग्रहण करने का खुलापन हो।

यही वजह है कि बच्चे बड़ों की अपेक्षा जल्दी और तेजी से सीखते हैं। उनमें जानने की इच्छा बड़ों के मुकाबले बहुत ज्यादा होती है, उनका दिमाग खाली प्लेट की तरह होता है। उसमें कुछ भी डाल सकते हैं। दूसरे शब्दों में, उनका मन हर नई चीज को सीखने के लिए खुला रहता है। इसीलिए उनमें प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति अधिक होती है। बात-बेबात पर क्यों, कैसे और क्या जैसे सवाल पूछते रहते हैं। यही आदत उनके सीखने और मानसिक विकास की राह आसान करती है।

दरअसल, उनके पास पहले से अर्जित ज्ञान, समझ और जानकारियों का बोझ नहीं होता। इसलिए हमेशा कोशिश करनी चाहिए कि हर बात और हर परिस्थिति को पहली बार की तरह देखने-जानने की इच्छा पैदा की जाए। इससे जीवन नए ज्ञान और नए रंगों से सराबोर हो उठता है। यह भी सच है कि अगर कोई जानकार है, काबिल है, किसी काम में निपुण है और तमाम जानकारियों का ज्ञाता है, तो भी उसके सीखने-जानने की गुंजाइश समाप्त नहीं हो जाती। बशर्ते कि उसके भीतर जानने और सीखने की प्रवृत्ति हो और इसके लिए अनिवार्य विनम्रता मौजूद हो।

मिसाल के तौर पर, गुरु नानक देव का एक प्रसिद्ध दृष्टांत है। वे एक बार मुल्तान पहुंचे। वहां पहले ही कई संत-महात्मा धर्म प्रचार में रत थे। उनमें से एक संत ने गुरु नानक देव को अपने शिष्य के हाथ दूध से लबालब एक कटोरा भेजा। गुरु नानक देव उठे, बगीचे से चमेली का एक फूल तोड़ा और दूध पर टिका दिया। फिर शिष्य से कहा कि 'जाओ, अपने संत को मेरी ओर से सप्रेम भेंट कर दो।' शिष्य मन ही मन तिलमिलाया, क्योंकि उसे लगा कि गुरु नानक देव ने उसके संत की भेंट को अस्वीकार किया है। शिष्य ने रोष में कटोरा लाकर अपने संत को थमा दिया।

संत ने उसे शांत किया और बोले, तुम समझे नहीं, इसीलिए परेशान हो रहे हो। बात इतनी-सी है कि मैंने गुरु देव से एक प्रश्न पूछा था और उन्होंने उसका बखूबी उत्तर दे दिया। उन्होंने आगे बताया, 'मेरा प्रश्न था कि यहां पहले से दूध जैसे पवित्र चरित्रवान महात्मा-संत विद्यमान हैं, तो आप यहां क्या करने आए हैं।' मेरे इस प्रश्न का उन्होंने उत्तर भेजा है कि जैसे चमेली के फूल ने दूध की शोभा बढ़ाई है, उसी तरह मैं भी यहां रहकर समाज को और सच्चा ज्ञान बांटने का काम करूंगा

अमेरिकी विचारक जिम रॉन का मानना है कि हरेक के जीवन में बदलाव इससे आते हैं कि वे किन लोगों से मिलते हैं, क्या सबक सीखते हैं और कौन-सी किताबें पढ़ते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि मौका मिले, तो जीवन के विभिन्न चरणों की अपनी मनपसंद किताबों को एक बार फिर से पढ़ें। ऐसा करने वाले महसूस करने लगेंगे कि अर्जित ज्ञान से इनका कथानक तो नहीं बदला, लेकिन नजरिया जरूर बदल गया है। हालांकि, यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि ज्ञान, धन और शक्ति का प्रयोग कोई कैसे करता है। यह सीख लेने वाला अपने भीतर सुगंध, सौरभ और गरिमा पैदा कर लेता है, जिसके लिए वह जन्मा है।

यह भी सच है कि सिर्फ जानकारी हासिल कर लेना बड़ी बात नहीं, उसे सही काम में लाना सीखना भी जरूरी है। पहले अपनी ताकत का ज्ञान होना चाहिए, फिर साहस होना चाहिए और उसके बाद करने का यकीन होना चाहिए। फिर अगर इसमें विफलता मिलती है, तो कुछ न हासिल कर पाने की परिस्थिति में घबराने की कतई जरूरत नहीं है, क्योंकि इतना तय है कि उसके हिस्से ऐसा काम नहीं आएगा, जो उसके जीवन के दायरे में नहीं रहा है।

इसके समांतर सत्य यह भी है कि इस क्रम में जो काम उसके हिस्से आएगा, उसे पूरा कर पाने की सलाहियत और क्षमता उसके भीतर मौजूद होगी। अगर इस क्रम में उसके रास्ते में कोई अड़चन आती है, तो निश्चित तौर पर वह उससे पार पा लेगा, क्योंकि अपने सामने खड़ी उलझनों को सुलझाने का हुनर उसके भीतर होता है। सवाल के होने का मतलब है कि उसका जवाब भी जरूर होगा।

ज्ञान के भंडार से कुछ हासिल करने की समझ संस्कार से मिलती है। इसके और भी बहुत फायदे हैं। यह वाणी के अनियंत्रित प्रवाह को मिटा देता है। सयाने कहते हैं कि वाणी पर नियंत्रण के लिए व्यावहारिक ज्ञान की जरूरत होती है। वाणी का सदुपयोग करके ही अपने व्यक्तित्व को निखारा जा सकता है। इसी प्रकार, ज्यादातर बुद्धिमान चालबाज नहीं होते।

यह भी तय है कि जितनी प्रतिभा होती है, उतना इंसान साफ-सुथरा होता है। भीतर से सत्य को अनुभव करने वाले का सारा जीवन सौंदर्य, शांति और सद्भाव से भर जाता है। यही नहीं, जीवन उन प्रतिध्वनियों और तरंगों को प्रवाहित करने लगता है, जो समाज के लिए अमन, शांति और शीतलता की छाया बन सकती हैं। ज्ञान वृद्धि, सहिष्णुता, शिष्टाचार और सहजता से जीना ही इंसान के जीवन को खूबसूरत बनाता है।

वाराणसी और बांकीपुर में क्यों मुरझाया कमल?

सबसे अधिक चिंताजनक स्थिति उत्तर प्रदेश की है। विधान परिषद चुनावों के नतीजे केवल हार-जीत का हिसाब नहीं हैं, बल्कि वे प्रदेश की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों और संगठन की कमजोरियों के संकेत भी दे रहे हैं। इन संकेतों को समझना, उनका विश्लेषण करना और समय रहते सुधार करना भाजपा नेतृत्व की प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि पार्टी ने इन परिणामों से सबक नहीं लिया, तो अगले साल होने वाले चुनावों को लेकर उसका आकलन गलत साबित हो सकता है।

आनंद सिंह

देश के प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में विधान परिषद चुनाव में भाजपा हार जाती है, लेकिन पार्टी के भीतर कोई खास हलचल नहीं होती! भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से जुड़ी बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी पराजित हो जाता है और थोड़ी-बहुत चर्चा के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है! सवाल यह है कि आखिर भाजपा में चुनावी हार की जवाबदेही तय करने की परंपरा कहां खो गई है? उत्तर प्रदेश में विधान परिषद चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद क्या भाजपा ने किसी की जिम्मेदारी तय की? क्या किसी पदाधिकारी से जवाब मांगा गया? क्या संगठनात्मक स्तर पर कोई कार्रवाई हुई? बिहार में बांकीपुर की पराजय को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने क्या कदम उठाए? इन सवालों का जवाब पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को मिलना चाहिए। चुनावी हार को महज एक घटना मानकर आगे बढ़ जाना किसी भी राजनीतिक संगठन के लिए शुभ संकेत नहीं है।

वरिष्ठ पत्रकार और भाजपा की राजनीति पर गहरी पकड़ रखने वाले मेरे एक पूर्व संपादक ने अपने वीडियो में एक बेहद गंभीर टिप्पणी की है। उनका कहना है कि भाजपा के लोग अब संगठन खड़ा करने और उसे मजबूत बनाने की बजाय ठेका, ट्रांसफर और पोस्टिंग जैसे कामों में अधिक व्यस्त रहने लगे हैं। यह टिप्पणी केवल कुछ नेताओं की कार्यशैली पर सवाल नहीं उठाती, बल्कि संगठन की प्राथमिकताओं को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करती है।

उनका यह भी मानना है कि भूपेंद्र जी को उत्तर प्रदेश में जो संगठन मिला, उसे दुरुस्त करने में उन्होंने अपेक्षित रुचि नहीं दिखाई। यदि संगठन की कमजोरियां समय रहते दूर नहीं की गईं, तो चुनावी नतीजे लगातार चेतावनी देते रहेंगे और पार्टी नेतृत्व उन चेतावनियों को नजरअंदाज करता रहेगा।

सबसे आश्चर्यजनक स्थिति वाराणसी को लेकर है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ा और समाजवादी पार्टी की साइकिल आगे निकल गई। नतीजे आने के 48 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद यदि पार्टी के भीतर जवाबदेही को लेकर कोई स्पष्ट संदेश नहीं दिखता, तो यह केवल एक चुनाव की हार का मामला नहीं रह जाता। यह संगठन की कार्यप्रणाली और नेतृत्व की गंभीरता पर भी सवाल खड़ा करता है।

कभी भाजपा की सांगठनिक ताकत का सबसे बड़ा आधार उसका समर्पित कार्यकर्ता हुआ करता था। बूथ स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ता, पन्ना प्रमुख और बूथ अध्यक्ष पार्टी की चुनावी रणनीति की रीढ़ माने जाते थे। पार्टी की सफलता के पीछे बूथ प्रबंधन की जिस व्यवस्था की चर्चा होती थी, आज उसी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं।

संगठन में अब दरी बिछाने, कार्यकर्ताओं के बीच बैठने और जमीन पर मेहनत करने की प्रवृत्ति कमजोर पड़ती दिख रही है। जिन्हें संगठन की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, उनमें से कुछ जिम्मेदारी निभाने के बजाय उसे दूसरों पर टालने में लगे हैं। पद और प्रभाव का इस्तेमाल यदि संगठन को मजबूत करने के बजाय निजी हित साधने में होने लगे, तो उसका खामियाजा अंततः पार्टी को ही भुगतना पड़ता है।

यह बीमारी झारखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी चिंता का विषय बन रही है। संगठन की कमजोरियों को दूर करने की जिम्मेदारी जिन नेताओं पर है, वे यदि जमीनी हकीकत समझने के बजाय दिल्ली में अपनी राजनीतिक गोटी फिट करने में अधिक ऊर्जा लगा रहे हों, तो फिर बूथ तक संगठन को मजबूत कौन करेगा? उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी सोशल इंजीनियरिंग के जरिए अपना सामाजिक आधार बढ़ाने में जुटी है। विभिन्न सामाजिक समूहों को जोड़ने की उसकी रणनीति का असर चुनावी मुकाबलों में दिखाई देने लगा है। विधान परिषद चुनावों में मिली सफलता को इसी व्यापक राजनीतिक संदर्भ में समझने की जरूरत है। ऐसे में सत्तारूढ़ भाजपा के नेताओं की प्राथमिकताएं क्या हैं? क्या वे बदलते सामाजिक समीकरणों को गंभीरता से समझ रहे हैं? क्या उन्हें पता है कि जमीन पर मतदाताओं का मिजाज किस दिशा में बदल रहा है? या फिर वे इस भरोसे में हैं कि केंद्र और प्रदेश की सत्ता में होने भर से चुनावी जीत सुनिश्चित होती रहेगी?

राजनीति में कोई भी सफलता स्थायी नहीं होती। मतदाता का समर्थन बनाए रखने के लिए लगातार संवाद, संगठनात्मक सक्रियता और स्थानीय स्तर पर भरोसा कायम रखना पड़ता है। केवल चुनाव के समय सक्रिय होने और प्रचार के सहारे मैदान जीतने की रणनीति लंबे समय तक कारगर नहीं रह सकती।

बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा के बूथ प्रबंधन की स्थिति पर उठे सवालों को भी इसी नजरिए से देखने की जरूरत है। जिस बूथ मैनेजमेंट को भाजपा अपनी सबसे बड़ी चुनावी ताकत बताती रही है, यदि वह किसी महत्वपूर्ण चुनाव में ताश के पत्तों की तरह बिखरता दिखाई दे, तो यह सामान्य घटना नहीं है। यह इस बात का संकेत हो सकता है कि संगठन के भीतर कहीं न कहीं गंभीर खामियां पैदा हो चुकी हैं। सबसे अधिक चिंताजनक स्थिति उत्तर प्रदेश की है। विधान परिषद चुनावों के नतीजे केवल हार-जीत का हिसाब नहीं हैं, बल्कि वे प्रदेश की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों और संगठन की कमजोरियों के संकेत भी दे रहे हैं। इन संकेतों को समझना, उनका विश्लेषण करना और समय रहते सुधार करना भाजपा नेतृत्व की प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि पार्टी ने इन परिणामों से सबक नहीं लिया, तो अगले साल होने वाले चुनावों को लेकर उसका आकलन गलत साबित हो सकता है। दिल्ली में बैठे नेताओं को चुनावी परिस्थितियां जितनी आसान दिखाई दे रही हैं, जमीन पर मुकाबला उससे कहीं अधिक कठिन हो सकता है। संगठन की कमजोरियों को दूर करने के लिए अब केवल बैठकों, भाषणों और समीक्षा के औपचारिक कार्यक्रमों से काम नहीं चलेगा। यह देखना होगा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ता सक्रिय हैं या नहीं, पन्ना प्रमुख अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं या नहीं, स्थानीय पदाधिकारी जनता के बीच मौजूद हैं या नहीं और संगठनात्मक पदों पर बैठे लोग वास्तव में पार्टी के लिए कितना समय दे रहे हैं। यदि जनवरी में चुनाव की घोषणा संभावित है, तो भाजपा के पास संगठन को दुरुस्त करने के लिए लगभग चार महीने का समय है। यह अवधि बहुत लंबी नहीं है। इस दौरान पार्टी को संगठन के ढीले पेच कसने होंगे, जिम्मेदारियों की समीक्षा करनी होगी और निष्क्रिय पदाधिकारियों के स्थान पर काम करने वाले लोगों को आगे लाना होगा। सबसे जरूरी है कि चुनावी हार के बाद जवाबदेही तय करने की स्पष्ट व्यवस्था बने। केवल निचले स्तर के कार्यकर्ताओं से सवाल पूछने के बजाय उन नेताओं से भी जवाब मांगा जाए, जिनके हाथों में संगठन की जिम्मेदारी है। यदि जीत का श्रेय लेने में बड़े नेता आगे रहते हैं, तो हार की जिम्मेदारी से वे पीछे क्यों हटें?

भाजपा के सामने आज असली चुनौती केवल विपक्ष को पराजित करने की नहीं, बल्कि अपने संगठन को फिर से जमीन से जोड़ने की है। पार्टी को यह समझना होगा कि सत्ता संगठन का विकल्प नहीं हो सकती और राजनीतिक प्रभाव जमीनी मेहनत की जगह नहीं ले सकता। वाराणसी की हार, बांकीपुर के सवाल और उत्तर प्रदेश के विधान परिषद चुनावों के नतीजों को अलग-अलग घटनाएं मानकर नजरअंदाज करना बड़ी भूल होगी। ये सभी परिणाम कम-से-कम एक सवाल जरूर पूछ रहे हैं—क्या भाजपा का संगठन अब भी कार्यकर्ताओं के दम पर चलता है, या संगठन के नाम पर चलने वाली व्यवस्था में निजी हित हावी होने लगे हैं?

इस सवाल का जवाब भाषणों से नहीं, कार्रवाई से मिलेगा। समय रहते संगठन की कमजोरियां दूर कर ली गईं, तो पार्टी के पास परिस्थितियां सुधारने का अवसर है। लेकिन यदि हार के बाद भी जिम्मेदारी तय नहीं हुई और जमीनी कार्यकर्ताओं की आवाज अनसुनी होती रही, तो आने वाले चुनाव भाजपा के लिए उतने आसान नहीं होंगे, जितने कुछ नेता अभी मानकर चल रहे हैं।



इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम,कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौपें।



वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है विदेश में अध्ययन

आज दुनिया पहले से कहीं ज्यादा एक-दूसरे से जुड़ गई है और विदेश में पढ़ाई करना इसका सिर्फ एक पहलू है। विदेश में पढ़ाई करना किसी के भी जीवन की महत्वपूर्ण अवधि है। इसमें बहुत सारे जोखिम, समझ और व्यक्तिगत विकास शामिल हैं। यह छात्रों पर गहरा प्रभाव डालता है क्योंकि वे विभिन्न प्रकार की संस्कृतियों, विचारों के विभिन्न स्कूल, धर्मों और परंपराओं का अनुभव करते हैं जो जीवन के प्रति पूरी तरह से उदार रवैया रखते हैं। इसके अलावा, छात्रों के अध्ययन की देखरेख करता है और अध्ययन और अनुसंधान के नए तरीकों की खोज करता है जो उन्हें वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है।

अग्रिम शैक्षणिक तैयारी

शैक्षणिक उपलब्धि भविष्य की उपलब्धियों के लिए महत्वपूर्ण कदम और रोजगार में प्रतिस्पर्धा पर बढ़त हासिल कर सकती है। आप अपने आप को आराम क्षेत्र से बाहर चुनौती देने के लिए विभिन्न शिक्षण शैली से सीख पाएंगे जो आपको अपरिचित वातावरण के अनुकूल होने के लिए तैयार करता है।

आजीवन अवसर

जैसा कि आप छात्रों को जीवनकाल में तेजी से बढ़ने और शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर मिलता है, इसलिए नई दुनिया और सीखने के अनुभव का पता लगाने और खोजने के लिए इस अवसर को अवश्य पकड़े।

लाइफटाइम कनेक्टिविटी

साथी छात्रों, शिक्षकों, पेशेवरों और परिवारों के लंबे समय तक चलने वाले संपर्कों के एक नेटवर्क पर टैप करें जो विदेशों में आपको प्रदान करता है, यह आपके जीवन को समृद्ध करता है, जो अक्सर महान अवसरों की ओर ले जाता है।

नई जानकारी

अपने विदेश प्रवास के दौरान, आप दुनिया के बारे में बहुत सी नई चीजें सीखेंगे जो आपके देश में रहने के दौरान संभव नहीं थी। एक नए वातावरण में रहने से आपके सोचने के तरीके को एक नया दृष्टिकोण मिलता है।

नई भाषा / संस्कृति

अलग-अलग देश में रहने से आपको एक अलग भाषा सीखने का मौका मिलता है। कई लोग नई भाषा और संस्कृति सीखने में रुचि रखते हैं, लेकिन जब आप देश में रहते हैं तो उनके सांस्कृतिक मूल्यों के साथ-साथ सीखना एक नया अनुभव होता है। सांस्कृतिक मतभेद भाषा, भोजन या आदतों के अंतर से अधिक हैं। बाजार में कई किताबें उपलब्ध हैं या कोई टीवी पर किसी देश और उसकी परंपरा के बारे में जानकारी देते हुए शो देख सकता है। लेकिन जब आप देश में रहते हैं और लोगों के साथ बातचीत करते हैं तो आप क्या सीखते हैं, तभी आप सही मायने में किसी अन्य संस्कृति को समझ सकते हैं।

आत्म ज्ञान

अपनी पढ़ाई पूरी करने और घर लौटने के बाद, आप अपने व्यक्तित्व में बदलाव देखेंगे और अपने और जीवन के प्रति पूरी तरह से अलग दृष्टिकोण रखेंगे।

अनुभव

जब आप बिल्कुल नए वातावरण में अध्ययन करते हैं, तो कभी-कभी आप ऐसी स्थितियों में हो सकते हैं जो बिल्कुल नए हैं और बहुत चुनौतीपूर्ण हैं। ऐसी स्थितियों को संभालने से आपको कुशलतापूर्वक सीखने, समायोजित करने और जवाब देने, अपनी ताकत और क्षमताओं को खोजने और शूटिंग कौशल को परेशान करने का एक शानदार अवसर मिलता है।

सीखने की शैली

हर देश में पढ़ाने का अपना तरीका होता है। विदेशों में अध्ययन करना आपके द्वारा उपयोग किए जाने वाले तरीकों से बहुत भिन्न होने की संभावना है। शिक्षण की एक अलग शैली के माध्यम से सीखना बहुत उपयोगी साबित हो सकता है क्योंकि इससे यह समझने में मदद मिलती है कि कुछ करने के कई तरीके हो सकते हैं।

पाठ्यक्रमों की विविधता

जो विकल्प आपको अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में मिलते हैं, वे आपको अपने देश में कभी नहीं मिलेंगे।

व्यवसाय

पढ़ाई पूरी करने के बाद जब आप नौकरी की तलाश कर रहे होंगे तो, आपको हमेशा उन छात्रों पर फायदा होगा जिन्होंने राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में अपनी शिक्षा पूरी की है। दुनिया भर की कंपनियां दूसरे देशों में निवेश करना जारी रखती हैं, ऐसे लोगों की जरूरत पैदा करती हैं जो विविध संस्कृतियों से निपटने में सक्षम हैं। नियोक्ता के अनुसार, एक व्यक्ति जिसने विदेश में अध्ययन किया है वह आत्मनिर्भर है, आत्म-प्रेरित है, चुनौतियों को उठाना पसंद करता है। विदेशों में रहने और अध्ययन करने का आपका अनुभव, एक नई भाषा और संस्कृति का ज्ञान आपको अपने सपनों की नौकरी प्राप्त करने में ऊपर सेट करता है।

ग्लोबल विचार

विदेशों में अध्ययन करने से देशों को आतंकवाद, ग्लोबल वार्मिंग और वैश्विक स्तर पर जनसंख्या वृद्धि जैसे मुद्दों से निपटने में भी मदद मिल सकती है। छात्र ऐसे मुद्दों पर बैठकर चर्चा कर सकते हैं और अन्य छात्रों को अपने देशवासियों के सामने आने वाली समस्या को समझने में मदद कर सकते हैं और खुद को अन्य देशों के लोगों द्वारा सामना की जा रही समस्या को भी समझ सकते हैं। विदेशों में अध्ययन करने से यह भी अधिक लाभ होता है कि यह साथी छात्रों के बीच सद्भाव और स्नेह बढ़ाता है और अपने देशवासियों के लिए भले ही उनकी जाति, रंग और पंथ के बावजूद ये चीजें एक वास्तविक समान वातावरण बनाती हैं जहां केवल मानवता किसी भी पूर्वाग्रह के साथ मायने रखती है।





ऑफिस में आपके व्यवहार से प्रतिबिंबित होते हैं लीडरशिप के गुण

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं -

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।



वैज्ञानिक अध्ययनों का अनिवार्य अंग है गणित

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है -

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविालय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं -
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविालय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

वैज्ञानिक अध्ययनों का अनिवार्य अंग है गणित

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

कैलिफोर्निया की नहर में मिला भारतीय मूल की महिला का शव, दो महीने से थी लापता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहने वाली भारतीय मूल की



एक महिला करीब दो महीने से लापता थीं। अब उनका शव नहर में काम करने वाले एक कर्मचारी को गश्त के दौरान मिला। सेरेस पुलिस विभाग ने बताया कि यह शव भारतीय मूल की अजीत कौर का है, जो अगस्त से लापता थीं। इनके शव को स्टैनिस्लॉस काउंटी कोरोनर कार्यालय भेजा गया, जहां 27 अक्टूबर को उसकी पहचान की गई। अजीत कौर के 23 अगस्त 2026 को सेरेस के कासा ग्रांडे अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स से लापता होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने बताया कि उन्हें आखिरी बार उसी दिन तड़के करीब 1:45 बजे शहर में व्हिटमोर एवेन्यू और मिशेल रोड के पास देखा गया था। पुलिस के अनुसार, शनिवार 24 अक्टूबर को टरलॉक इरिगेशन डिस्ट्रिक्ट के एक कर्मचारी को सेरेस में सेंट्रल एवेन्यू और कीज रोड के पास लोअर लैटरल 3 नहर में यह शव मिला। इस इलाके में नहर प्रणाली का प्रबंधन अड्डुष्ट ही करता है और वह कर्मचारी उस समय अपनी नियमित गश्त पर था।

इजराइल के आम चुनाव की जांच खुफिया एजेंसी मोसाद करेगी

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। न्यूज चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट भी शामिल होगी। आरोप है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने मंगलवार को हुए चुनाव में अरब वोटर्स को पैसे देकर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की। इस चुनाव में अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिली हैं। यह इतिहास में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पार्टी के नेताओं ने भी अरब पार्टियों पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। इजराइल के केंद्रीय चुनाव आयोग ने साफ किया है कि जांच का दायरा सीमित है। आयोग के मुताबिक, इस मामले से चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा है और न ही नतीजों पर सवाल उठता है। इजराइल की यिस्राइल बेतेनु पार्टी के चीफ एविगडोर लिबरमैन ने साफ कहा है कि उनकी पार्टी ऐसी किसी सरकार में शामिल नहीं होगी, जिसमें उनके मुताबिक आतंकवाद का समर्थन करने वाले लोग हों। लिबरमैन ने शुक्रवार को फेसबुक पर पोस्ट कर कई अरब और वामपंथी नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आतंकियों का समर्थन करने वालों को इसकी कीमत चुकानी चाहिए। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बेटे यायर नेतन्याहू ने इजराइल के अरब नागरिकों को देश के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बाद इजराइली अरब नागरिक देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। द यरूशलम पोस्ट के मुताबिक, यायर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर चुनाव नतीजों को लेकर यह बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि वेस्ट बैंक और गाजा के फिलिस्तीनियों, तुर्किये और पश्चिमी देशों में बढ़ते यहूदी-विरोध से भी बड़ा खतरा इजराइल के अरब नागरिकों से है। ऐसे हालात में नहीं टिक सकता, जहां उसकी 20 आबादी उसके दुश्मनों का समर्थन करती हो और देश का विनाश चाहती हो। इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी दल यूनाइटेड टोरा जूडिज्म ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया है। पार्टी को चुनाव में 7 सीटें मिली हैं। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी ने समर्थन के बदले हरेदी समुदाय के लोगों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने की मांग की है। इजराइल में आमतौर पर नागरिकों के लिए सेना में सेवा देना अनिवार्य है।

पोलैंड में तख्तापलट की कोशिश... पीएम ने मुख्य न्यायाधीश को पद से हटाया; राष्ट्रपति का विमान बीच रास्ते से लौटा

वारसॉ , एजेंसी। पोलैंड में शुक्रवार को सरकार और राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी गुट के बीच नया तनाव देखने को मिला। देश के संवैधानिक न्यायाधिकरण के मुख्य न्यायाधीश बोगदान श्विएचकोव्स्की को सस्पेंड कर दिया गया, जिसके बाद वहां दंगा-रोधी पुलिस तैनात कर दी गई।

पोलैंड में बढ़ते विवाद के बीच राष्ट्रपति कैरोल नवरोकी ने अफ्रीका की अपनी आधिकारिक यात्रा बीच में ही छोड़ दी और वारसॉ लौटने का फैसला किया।

संवैधानिक न्यायाधिकरण के मुख्य न्यायाधीश बोगदान श्विएचकोव्स्की को पद से हटाए जाने के बाद विपक्षी लॉ एंड जस्टिस पार्टी के समर्थक बोगदान श्विएचकोव्स्की के समर्थन में आए। लोगों को आता देख कोर्ट के बाहर दर्जनों पुलिसकर्मी तैनात किए गए।

कोर्ट के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर इस घटनाक्रम को तख्तापलट करार दिया गया और कहा गया कि श्विएचकोव्स्की अभी भी अपने पद पर बने हुए हैं। मुख्य न्यायाधीश को हटाने का फैसला



पोलैंड की शीर्ष अदालत के गठन और कामकाज को लेकर चल रहे लंबे विवाद के बीच उठाया गया है। सरकार उन जजों को हटाने की कोशिश कर रही है, जिन्हें पिछली ब्रुस सरकार (जिसने 2015 से 2023 तक देश पर शासन किया था) के कार्यकाल में नियुक्त किया गया था। इस निलंबन की घोषणा संवैधानिक न्यायाधिकरण की जज अन्ना कोरविन-पियोट्रोव्स्का ने की। न्याय मंत्री और अटॉर्नी जनरल वाल्डेमार जुरेक ने कहा कि उन्होंने श्विएचकोव्स्की और उनके डिप्टी बार्टलोमी सोचांस्की को मिली कानूनी छूट को हटाने की मांग की थी।

2023 के चुनाव के बाद पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनल्ड टस्क बने। टस्क ने ब्रुसेल्स (यूरोपीय संघ) के साथ चल रहे लंबे विवाद को सुलझाने और कानून के शासन को बहाल करने का वादा किया था।

हालांकि, राष्ट्रपति नवरोकी ने संवैधानिक न्यायाधिकरण के लिए सरकार द्वारा भेजे गए नामों को मंजूरी देने से रोक दिया है, जिससे संस्थागत गतिरोध और गहरा गया है।

यह टकराव प्रधानमंत्री डोनल्ड टस्क की मध्यमार्गी सरकार और राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी गुट के बीच न्यायिक नियुक्तियों और अदालतों की स्वतंत्रता को लेकर चल रही एक बड़ी लड़ाई का हिस्सा है।

कार्यकाल के दौरान, यूरोपीय संघ ने बार-बार इस बात पर चिंता जताई थी कि संवैधानिक न्यायाधिकरण सरकार के बहुत करीब है। कोर्ट ने कई ऐसे फैसले भी दिए थे, जिनमें यूरोपीय संघ के कानूनों के बजाय पोलैंड के कानूनों को प्राथमिकता दी गई थी।

फर्जी वीजा एजेंटों के खिलाफ कनाडा सरकार सख्त, धोखाधड़ी करने पर 15 लाख डॉलर तक का लगेगा जुर्माना

ओटावा , एजेंसी। कनाडा ने इमिग्रेशन और नागरिकता से जुड़े कुछ विशेष लोगों के लिए नए नियम बनाए हैं। ये कानून उन विदेशी लोगों के लिए बनाया गया है, जो पैसे लेकर सलाह देते समय या प्रतिनिधित्व करते समय कानून तोड़ते हैं। कनाडा सरकार ने ऐसे लोगों के खिलाफ 1.5 मिलियन कनाडाई डॉलर तक के जुर्माने का प्रविधान किया है। सरकार के इस नियम को लागू करने का उद्देश्य आवेदकों को धोखाधड़ी और शोषण से बचाना है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटीजनशिप कनाडा ने आधिकारिक तौर पर विज्ञप्ति में बताया कि ये नए जुर्माने 28 अक्टूबर से लागू हो गए हैं। इन नियमों के दायरे में लाइसेंस प्राप्त इमिग्रेशन सलाहकार, वकील और अन्य अधिकृत प्रतिनिधि आते हैं। साथ ही, इसमें वे लोग भी शामिल हैं जो बिना जरूरी अनुमति के पैसे लेकर इमिग्रेशन या नागरिकता से जुड़ी सलाह देते हैं। नई व्यवस्था के तहत, बिना अनुमति के पैसे लेकर सलाह देने या प्रतिनिधित्व करने पर 5,000 कनाडाई डॉलर तक का जुर्माना लग सकता है। जो लोग जानबूझकर किसी आवेदक की ओर से गलत या भ्रामक जानकारी देते हैं, या ऐसी जानकारी जमा करने में आवेदक की मदद करते हैं, उन्हें 15,000 कनाडाई डॉलर तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। अगर कोई आवेदन गलत या भ्रामक जानकारी के आधार पर मंजूर हो जाता है, तो अतिरिक्त जुर्माना भी लग सकता है। बार-बार नियम तोड़ने पर जुर्माने की रकम बढ़ सकती है और सभी उल्लंघनों को मिलाकर कुल जुर्माना 1.5 मिलियन कनाडाई डॉलर तक हो सकता है। आईआरसीसी ने कहा है कि वह नए नियमों के तहत दंडित किए गए लोगों के नाम और उनके द्वारा किए गए उल्लंघनों का विवरण सार्वजनिक करेगा।

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर मिसाइलें दागीं

सना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को अदन में राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि मिसाइलें अपने निशाने पर लगीं या नहीं। राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते हुए देखी गईं। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। हालांकि, उन्होंने हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति भवन पर 15 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के मदीना इलाके की ओर भी ड्रोन भेजा था। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने इसे हवा में ही मार गिराया। अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का प्रमुख केंद्र है। हूती विद्रोहियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद सरकार को सना छोड़ना पड़ा था। जुलाई से अदन में हमले फिर बढ़े हैं। इससे पहले 28 अक्टूबर को भी हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट को निशाना बनाया था। हमले से पहले हूतियों ने लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। यह एयरपोर्ट दक्षिणी यमन में राहत सामग्री और मानवीय मदद पहुंचाने का अहम रास्ता है। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने शुक्रवार को मदीना के ऊपर एक ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इससे पहले गठबंधन मक्का में भी एक ड्रोन को नष्ट करने का दावा कर चुका है। मक्का में ग्रैंड मस्जिद और काबा हैं, जबकि मदीना में पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद है। दोनों शहर मुसलमानों के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों में शामिल हैं। सऊदी अरब ने अक्टूबर में हूती विद्रोहियों पर मदीना के बिजली वितरण केंद्र पर हमला करने का आरोप लगाया था। यह केंद्र पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद को बिजली की आपूर्ति करता है।

मेरा शरीर दर्द कर रहा है, आत्मा टूट रही है, अमेरिका में मौत का इंजेक्शन देने की नाकाम कोशिश के बाद क्रिस्टा पाइक का पहला बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। यूनाइटेड स्टेट्स के राज्य टेनेसी में क्रिस्टा पाइक नाम की महिला को मौत की सजा दी गई थी। इस सजा को पूरा करने के लिए क्रिस्टा पाइक को पेंटोबार्बिटल नामक जहरीली दवा के दो डोज दिए गए, लेकिन वह फिर भी जिंदा बच गई।

इस जहरीले इंजेक्शन के दो डोज किसी की भी जान लेने के लिए काफी होते हैं, लेकिन हैरानी की बात ये है कि क्रिस्टा पाइक की जान इस जहरीले इंजेक्शन की वजह से नहीं गई। हालांकि इस सजा के प्रयास में इंजेक्शन दिए जाने के बाद से वो ऐसे दर्द से जूझ रही है, जिसे सहना मुश्किल हो गया है।

मौत की जगह मिला असहनीय दर्द: टेनेसी में जानलेवा इंजेक्शन (लीथल इंजेक्शन) दिए जाने के एक महीने बाद, क्रिस्टा पाइक ने शुक्रवार को बताया कि वह लगातार दर्द से जूझ रही हैं और



उन्हें बोलने में भी कठिनाई हो रही है। उन्होंने इस विफलता के लिए अक्षमता को जिम्मेदार ठहराया है।

मृत्युदंड की इस प्रक्रिया के बाद अपने पहले सार्वजनिक बयान में, पाइक ने कहा कि उन्होंने कभी अपनी मृत्यु की तारीख के बाद के जीवन के बारे में नहीं सोचा था और वह शांति से मरने के लिए तैयार थीं, लेकिन जब उनकी आंख खुली तो उन्होंने खुद को अस्पताल के बिस्तर पर अकेला और भ्रमित पाया।

क्रिस्टा पाइक ने कहा, उस रात के बाद से एक भी पल ऐसा नहीं बीता जब मुझे दर्द न हुआ हो। मेरे पूरे शरीर में दर्द है। मेरी बांहों में दर्द है, हाथों में दर्द है, गले में दर्द है। मुझे अभी भी बोलने में बहुत तकलीफ होती है और यह दर्द सिर्फ शारीरिक नहीं है, मेरे मन और मेरी आत्मा में भी गहरा दर्द है।

क्यों मिली मौत की सजा?

50 वर्षीय पाइक को 30 सितंबर को मृत्युदंड देने की कोशिश की गई थी। उसे 1995 में अपनी 19 वर्षीय सहपाठी कोलीन स्लेमर की चाकू घोंपकर हत्या करने के जुर्म में सजा सुनाई गई थी। उस समय पाइक की उम्र 18 साल थी, जब उसने अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ मिलकर स्लेमर को प्रताड़ित किया और उसकी हत्या कर दी। वह मौत की सजा पाने वाली सबसे कम उम्र की महिलाओं में से एक बन गई।

ब्राजील से अमेरिका पहुंचने में बोल्सोनारो की ट्रंप ने की मदद, मुहैया कराया था प्राइवेट जेट

वाशिंगटन, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में हार का सामना करने वाले दक्षिणपंथी फ्लावियो बोल्सोनारो कई आपराधिक जांच का सामना कर रहे हैं। ब्राजील से भागकर अमेरिका पहुंचने में उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों ने मदद की।

अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप के आदेश पर बोल्सोनारो को देश में रहने के लिए अस्थायी दर्जा दिया गया है और अभी फ्लोरिडा में रह रहे हैं। उनको जल्द ही अमेरिका में स्थायी रूप से रहने की अनुमति मिलने की संभावना है।

बता दें कि ब्राजील में रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव में मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की जीत हुई थी। जबकि चुनावी हार पर प्रतिद्वंद्वी बोल्सोनारो ने धांधली का आरोप लगाया और परिणाम को मानने से इनकार कर दिया था।

एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सीमा एजेंटों ने बुधवार सुबह बोल्सोनारो और उनके परिवार को अमेरिका में दाखिल होने की अनुमति दी। वह प्राइवेट जेट से मियामी पहुंचे थे। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी द्वारा इस विमान की व्यवस्था की गई थी। बाद में ट्रंप ने कहा था कि बोल्सोनारो को अमेरिका में प्रवेश के लिए एक पास



दिया गया था। इधर, अमेरिकी सरकार के रिकॉर्ड से पता चला है कि अमेरिका पहुंचने पर बोल्सोनारो ने रद किया हुआ ब्राजील का राजनयिक पासपोर्ट दिखाया था।

व्हाइट हाउस में ट्रंप की हैलोवीन पार्टी से उड़ानों में देरी: व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ओर से आयोजित बच्चों की हैलोवीन पार्टी के दौरान एयरफोर्स वन के फ्लाइओवर ने हवाई यातायात बाधित कर दिया। विमान की दो बार बेहद नीचे से उड़ान के कारण रीगन वाशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानें अस्थायी रूप से रोकनी पड़ीं। खास बात यह रही कि इसकी सूचना महज 15 मिनट पहले दी गई। इससे दर्जनों उड़ानों में देरी हुई और यात्रियों ने नाराजगी जताई। उड़ान निगरानी वेबसाइट फ्लाइट अवेयर के अनुसार, 26 प्रतिशत जाने वाली और 17 प्रतिशत आने वाली उड़ानें प्रभावित हुईं। व्हाइट हाउस ने इस फ्लाइओवर का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर साझा किया। रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के शहर ओलेस्की में खाद्य सामग्री, पेयजल और दवाओं की आपूर्ति शुरू हो गई है। इस बीच कई वृद्ध और बीमार लोगों ने शहर छोड़कर यूक्रेन जाने की इच्छा जताई है। ऐसे लोगों को नजदीक के रूसी शहर अनापा पहुंचाया गया है।

गेम ऑफ थ्रोन्स स्टार ने दुनिया को दिखाई रूस के खौफ की तस्वीर, यूक्रेन में मिसाइल हमले के डर से मेट्रो में गुजारी रात

कीव , एजेंसी। हॉलीवुड की चर्चित सीरीज गेम ऑफ थ्रोन्स में जैमी लैनिस्टर का किरदार निभाने वाले अभिनेता निकोलाज कोस्टर-वाल्डाउ इन दिनों यूक्रेन में हैं। यहां उन्हें रूस के संभावित मिसाइल और ड्रोन हमलों के खौफ व खतरे के बीच स्थानीय लोगों के साथ कीव के भूमिगत मेट्रो स्टेशन में रात बितानी पड़ी। अभिनेता ने अपने इस खौफनाक अनुभव को साझा करते हुए बताया कि यूक्रेन के आम नागरिक किस तरह लगातार हमलों के डर में जीने को मजबूर हैं। निकोलाज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम खाते पर इस अनुभव की जानकारी दी।

मेरे लिए एक रात, यूक्रेनियों के लिए रोज की हकीकत एक रात भूमिगत शरणस्थल में बितानी पड़ी, लेकिन यूक्रेन के हजारों लोगों के लिए ऐसा करना रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। अभिनेता ने लिखा, मैं एक रात ऐसा करके इसकी कहानी बता सकता हूं, लेकिन हजारों यूक्रेनियों के लिए गोलाबारी के दौरान सुरक्षित रहने का यह एक जरूरी उपाय है। हमें आम नागरिकों की मदद जारी रखनी चाहिए और उन नियमों का



सम्मान करना चाहिए, जिन पर हम सभी सहमत हुए हैं। उन्होंने कीव में जारी हवाई हमले के अलर्ट का स्क्रीनशॉट भी साझा किया। बताया गया कि 27 से 29 अक्टूबर तक लगातार तीन दिनों तक शहर में हवाई हमले के खतरे का स्तर लाल बना हुआ था। ऐसे हालात में स्थानीय लोगों को सुरक्षित रहने के लिए भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में जाना पड़ता है। निकोलाज कोस्टर-वाल्डाउ की यूक्रेन यात्रा का संबंध संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के सद्भावना दूत के रूप में उनकी भूमिका से है। वह वर्ष 2016 से इस जिम्मेदारी से जुड़े हुए हैं। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य यूक्रेन की स्थिति की ओर दुनिया का ध्यान बनाए रखना है, ताकि युद्ध के बीच वहां के लोगों की मुश्किलों को भुलाया न जाए। एक वीडियो संदेश में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से यूक्रेन की लगातार मदद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के लोग शानदार तरीके से परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन उन्हें दुनिया से सहायता की जरूरत है। खासकर सर्दियां नजदीक आने के साथ यह मदद और जरूरी हो जाती है। निकोलाज कोस्टर-वाल्डाउ का जन्म वर्ष 1970 में डेनमार्क में हुआ था।

हिंदुओं की आस्था और गौ पूजा का मजाक उड़ाकर घिरे रब्बी योसी मिजराही, सोशल मीडिया पर भड़का गुस्सा

यरूशलम , एजेंसी। एक विवादास्पद इस्राइली-अमेरिकी रब्बाई योज़ेफ (योसी) मिज़राही द्वारा हिंदू धर्म और गोपूजा का मज़ाक उड़ाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारत और इस्राइल सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी आक्रोश फैल गया है। अमेरिका में रहकर ऑनलाइन धार्मिक मंच डिवाइन इंफॉर्मेशन चलाने वाले मिज़राही ने अपने एक प्रवचन के दौरान हिंदू परंपराओं, भारतीय डॉक्टरों और सड़कों पर गायों की मौजूदगी को लेकर अमर्यादित और नस्लवादी टिप्पणियां की हैं।

गोपूजा, भारतीय डॉक्टरों और परंपराओं पर कसे तंज

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो क्लिप में रब्बाई मिज़राही एक भारतीय व्यक्ति का ज़िक्र करते हुए कहता है कि हिंदू परिवार गायों की पूजा करते हैं। उसने दावा किया कि लोग फर्श से गोमूत्र चाटते हैं और इसे दवा दुकानों से खरीदते हैं। इतना ही नहीं, उसने दिल्ली के अस्पतालों और डॉक्टरों का उपहास उड़ाते हुए कहा कि इलाज करने वाले डॉक्टर भी गोमूत्र का सेवन करते हैं। दिल्ली की सड़कों पर बैठी गाय का ज़िक्र करते हुए उसने सुजी नाम की गाय का मज़ाक उड़ाया और अंत में भगवान का आभार जताते हुए कहा कि हमें उनके जैसा न बनाने के लिए धन्यवाद। इस अमर्यादित वीडियो के वायरल होने के बाद भारत और इस्राइल दोनों देशों के लोगों ने मिज़राही को आड़े हाथों लिया है। भारत में अध्ययन कर रहे इस्राइली शोधकर्ता और लेखक येशया रोसेनमैन ने मिज़राही की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उसकी हरकतों से इस्राइल की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को अकल्पनीय नुकसान पहुंचा है।



रोसेनमैन ने कहा कि मिज़राही का गैर-यहूदियों, ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों और कैंसर मरीजों के प्रति अपमानजनक बयान देने का पुराना इतिहास रहा है। उन्होंने मांग की कि जैसे ब्रिटेन ने मिज़राही के प्रवेश पर रोक लगाने की तैयारी की थी, वैसे ही इस्राइल को भी भविष्य में उसके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। भारत में फलस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शावेश ने भी बिना नाम लिए इस घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जो लोग किसी धर्म या विश्वास के लोगों के खिलाफ नफरत भड़काते हैं और उनकी धार्मिक परंपराओं का मज़ाक उड़ाते हैं, वे केवल असहिष्णुता नहीं फैला रहे, बल्कि साझा मानवता की नींव को खतरे में डाल रहे हैं। सोशल मीडिया यूज़र्स ने भी रब्बाई की टिप्पणियों को नस्लवादी मतिभ्रम और नस्लवादी साइकोपैथ करार दिया है।

दिसंबर 2015 में उसने दावा किया था कि होलोकॉस्ट में 60 लाख के बजाय केवल 10 लाख से कम यहूदी मारे गए थे, जिसे इतिहासकारों ने खारिज कर दिया था और बाद में मिज़राही को माफी मांगनी पड़ी थी। उसने ऑटिज्म और डाउन सिंड्रोम जैसी स्थितियों को पूर्व जन्मों के पापों की सजा बताया था। दिसंबर 2016 में 16 रूढ़िवादी यहूदी रब्बियों ने उसके उपदेशों को खतरनाक और आपत्तिजनक बताते हुए निंदा की थी। मार्च 2019 में ब्रिटेन में उसके बोलने के दौरे पर वहां के अधिकारियों द्वारा रोक लगाने की रिपोर्ट आई थी, जिसके बाद उसने यात्रा रद्द कर दी थी। उल्लेखनीय है कि भारत और इस्राइल के बीच मजबूत रणनीतिक संबंध हैं और भारत में यहूदी समुदाय पिछले 2,000 से अधिक वर्षों से बिना किसी यहूदी-विरोधी भावना के शांतिपूर्ण ढंग से रह रहा है। ऐसे में इस विवादास्पद बयान की चौतरफा निंदा हो रही है।

साइफर्ट ने 93 रन बनाए; श्रेयस-ईशान की फिफ्टी बेकार, टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से जीती

न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया



हैमिल्टन। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां टी-20 मुकाबला 7 विकेट से हार गई है। हालांकि टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से अपने नाम की। हैमिल्टन में कीवी टीम ने 192 रन का टारगेट 3 विकेट खोकर 18 ओवर में चेज कर लिया। टिम साइफर्ट ने 50 बॉल पर 93 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 65 रन की पारी खेली। भारत से अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और नीतीश रेड्डी को 1-1 विकेट मिले। इससे पहले शुक्रवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी कर रही भारतीय टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 191 रन बनाए। ईशान किशन ने 32 बॉल पर 61 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 23 बॉल पर 50 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड से एडम मिल्ने ने 4 विकेट लिए।

भारत को पांचवें टी20 में हार का सामना करना पड़ा है। शुरुआती तीन टी20 जीतने के बाद, पिछले दो मुकाबलों में श्रेयस एंड कंपनी को हार मिली है। भारतीय टीम हैमिल्टन के सेडन पार्क में 191 रन का बचाव नहीं कर सका। न्यूजीलैंड ने भारत को सात विकेट से हरायान्यूजीलैंड ने पांचवें और आखिरी टी20 में भारत को सात विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 191 रन बनाए थे। 192 रन के लक्ष्य को न्यूजीलैंड ने तीन विकेट गंवाकर 18 ओवर में हासिल कर लिया। इस, जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने टी20 सीरीज का सकारात्मक अंत किया। हालांकि, भारत ने यह टी20 सीरीज 3-2 से अपने नाम की। टीम इंडिया ने शुरुआती तीन टी20 जीते थे। पहला मुकाबला भारत ने चार विकेट से, दूसरा टी20 चार विकेट से और तीसरा टी20 छह विकेट से जीता था। चौथे टी20 में कीवियों ने वापसी की और 87 रन से जीत हासिल की। श्रेयस पहली बार इस सीरीज में टॉस हारे और मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

भारत की पारी

ईशान ने 32 गेंद में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान श्रेयस ने 23 गेंद में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। इन दोनों के बीच 93 रन की साझेदारी हुई। एक वक्त भारत का स्कोर दो विकेट पर 112 रन था। 112 पर ईशान आउट हुए और 133 रन तक आते-आते भारत के पांच विकेट गिर चुके थे। ईशान और श्रेयस के अलावा नमन धीर ने 23 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। वहीं, नीतीश रेड्डी 17 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक शर्मा एक रन और संजू सैमसन एक रन बना सके थे। वहीं, तिलक वर्मा छह रन बना पाए। भुवनेश्वर ने भी छह रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने ने चार विकेट लिए। वहीं, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो विकेट मिले।

न्यूजीलैंड की पारी

192 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम की शुरुआत खराब रही थी। फिन एलन दो रन बनाकर अर्शदीप सिंह का शिकार बने थे। इसके बाद टिम साइफर्ट ने डेरिल मिचेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 42 गेंद में 73 रन की साझेदारी निभाई। मिचेल 16 गेंद में चार चौके की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए। फिर साइफर्ट ने ग्लेन फिलिप्स के साथ 86 रन की साझेदारी निभाई और भारत को लगभग मुकाबले से बाहर कर दिया। साइफर्ट 50 गेंद में 11 चौके और पांच छक्के की मदद से 93 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद फिलिप्स ने बेवन जैकब्स के साथ मिलकर न्यूजीलैंड टीम को जीत दिलाई। फिलिप्स 38 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के की मदद से 65 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से अर्शदीप, वरुण चक्रवर्ती और नीतीश रेड्डी को एक-एक विकेट मिला।

वियना ओपन के फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्काराज

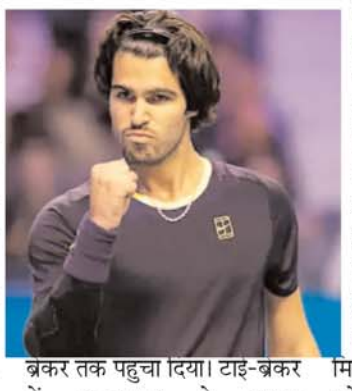

नईदिल्ली। कार्लोस अल्काराज ने वियना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में डेनिल मेदवेदेव को सीधे सेटों में 6-4, 7-6 (7-2) से हराकर पहली बार फाइनल में जगह बना ली है। अल्काराज के करियर का यह 37वां और इस साल का 5वां टूर-लेवल फाइनल है। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स दे मिनाउर ने बड़ा उलटफेर करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से हराया। रविवार को होने वाले फाइनल में अल्काराज और दे मिनाउर आमने-सामने होंगे। मेदवेदेव को हराकर मार्च की हार का बदला लिया शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में अल्काराज ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में मेदवेदेव ने वापसी की और मुकाबला टाई-ब्रेकर तक पहुचा दिया। टाई-ब्रेकर में अल्काराज ने दमदार ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर 7-2 से जीत दर्ज की। उन्होंने 96 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अल्काराज ने मार्च में इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में मेदवेदेव के हाथों मिली हार का बदला भी ले लिया। मेदवेदेव का लगातार 7 मैच जीतने का सिलसिला भी टूट गया। कार्लोस अल्काराज का एटीपी 500 टूर्नामेंट्स में शानदार प्रदर्शन जारी है। यह इस कैटेगरी के इवेंट्स में उनकी लगातार 25वीं जीत है। अल्काराज और मेदवेदेव दोनों अगले महीने होने वाले सीजन के आखिरी टूर्नामेंट फाइनल्स के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं। दे मिनाउर ने ज्वेरेव को हराकर किया उलटफेर दूसरे सेमीफाइनल में एलेक्स दे मिनाउर ने जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराया। ज्वेरेव के सोमवार को वर्ल्ड नंबर-1 बनने की पुष्टि हो चुकी थी। दे मिनाउर ने पहला सेट 6-4 से जीता, लेकिन दूसरे सेट में ज्वेरेव ने 6-1 से वापसी की। निर्णायक सेट टाई-ब्रेकर तक पहुंचा, जहां दे मिनाउर ने 7-4 से जीत दर्ज की। उन्होंने मुकाबला 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से अपने नाम किया।

कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026: महिलाओं के बाद पुरुष टीम ने भी जीता खिताब, फाइनल में श्रीलंका को दी मात



अहमदाबाद। कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिताब अपने नाम किए। अहमदाबाद में खेले गए पुरुष वर्ग के फाइनल में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हराया, जबकि महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से शिकस्त देकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरी खिताबी जीत दर्ज की है। पहले भारतीय महिला टीम ने फाइनल में युगांडा को 35-15 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इसके बाद पुरुष टीम ने भी अपना दम दिखाते हुए श्रीलंका को 54-20 से करारी शिकस्त दी। इस तरह भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। शनिवार को अहमदाबाद में खेले गए पुरुष वर्ग के फाइनल में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारतीय रेडर्स और डिफेंडर्स के शानदार तालमेल के सामने श्रीलंकाई टीम पूरे मुकाबले में संघर्ष करती नजर आई। आदित्य शिंदे ने लगाए सबसे ज्यादा अंक फाइनल मुकाबले में भारत की ओर से आदित्य शिंदे सबसे सफल रेडर रहे। उन्होंने 14 रेड में 10 रेड पॉइंट हासिल किए, जिनमें चार बोनस पॉइंट भी शामिल थे। भरत हुड्डा ने आठ रेड पॉइंट का योगदान दिया। उन्होंने दूसरे हाफ में सात रेड कीं और इस दौरान एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने छह, जबकि टीम के उपकप्तान नवीन कुमार ने पांच अंक जुटाए। वहीं, डिफेंस में योगेश दहिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हाई-फाइव लगाया। उन्होंने पहले हाफ में ही पांच सफल टैकल किए। इसके अलावा शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने दो-दो टैकल पॉइंट हासिल किए। भारत ने श्रीलंका को चार बार किया ऑलआउट भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। भारत ने कुल 30 रेड पॉइंट और 14 टैकल पॉइंट हासिल किए। इस दौरान श्रीलंका को चार बार ऑलआउट किया, जबकि भारतीय टीम एक बार भी ऑलआउट नहीं हुई।

हायलो ओपन: सिंधू और लक्ष्य सेन फाइनल में पहुंचे

लगातार दूसरे सप्ताह खिताब जीतने का मौका



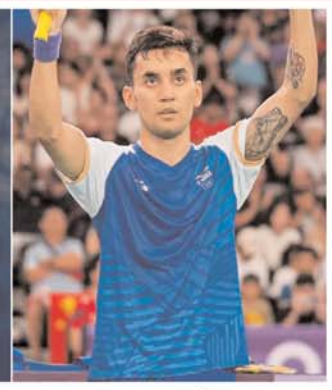

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने हायलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। जर्मनी के सारब्रूकेन में शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने सीधे गेम में जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारत के पास महिला और पुरुष एकल दोनों वर्गों में खिताब जीतने का मौका है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने हमवतन अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराया। वहीं, लक्ष्य सेन ने फ्रांस के विश्व नंबर-13 टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से शिकस्त दी।

लगातार दूसरे सप्ताह फाइनल में पहुंचीं सिंधू

पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं सिंधू ने अपनी शानदार लय जारी रखी। उन्होंने महिला एकल के सेमीफाइनल में 19 वर्षीय अनमोल खरब को कोई मौका नहीं दिया। पहले गेम में अनमोल ने शुरुआती बढ़त जरूर बनाई, लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव और आक्रामक खेल के दम पर वापसी की। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीता। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय अनमोल 15-13 से आगे थीं, लेकिन सिंधू ने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 15-15 कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी बढ़त बनाई और 21-16 से गेम जीतकर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

जीत के बाद सिंधू ने कहा, 'मैं काफी लंबे समय बाद उनके खिलाफ खेल रही थी। यह देखकर अच्छा लगा कि सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी पहुंची थीं। हालांकि, मेरे लिए प्रतिद्वंद्वी कौन है या उसकी रैंकिंग क्या है, इससे फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ अपना खेल खेल रही थी और अपना शत-प्रतिशत दे रही थी। मुझे खुशी है कि मैंने फाइनल में जगह बनाई।' फाइनल में सिंधू का सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से होगा।

लक्ष्य सेन ने पोपोव को दी शिकस्त

पुरुष एकल के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से हराया। इस साल ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद से लक्ष्य खराब दौर से गुजर रहे थे। चोट और फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था।

तीन मैचों में पांच अंक लेकर पूर्वांचल विवि ने जीता खिताब



न मैचों में पांच अंक हासिल कर पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय हॉकी प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। प्रतियोगिता में विद्यापीठ की टीम उपविजेता रही, जबकि काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता में टीमों के बीच खिताबी मुकाबले को लेकर कड़ा संघर्ष देखने को मिला। आइए जानते हैं खेल की अन्य खबरें...

पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय हॉकी शनिवार को संपन्न हो गई। पांच दिवसीय प्रतियोगिता नॉकआउट कम लीग के आधार पर खेली गई। इसमें तीन मैच में दो जीत एक हार से पांच अंक लेकर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि, जौनपुर की टीम पूर्वी जोन अंतर विश्वविद्यालयीय हॉकी का विजेता बन गया। विद्यापीठ की टीम दो मैच से चार अंक लेकर उपविजेता जबकि बीएचयू की टीम को तीसरा स्थान मिला। प्रतियोगिता में 11 राज्यों के 22 टीमों ने हिस्सा लिया। दूसरे दिन के पहले मुकाबले में काशी विद्यापीठ की टीम ने संबलपुर विवि को 6-0 से पराजित किया। दूसरे मुकाबले में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि ने बीएचयू की टीम को 6-2 से हराया। इस जीत के साथ वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि, जौनपुर को पहला स्थान दूसरा स्थान काशी विद्यापीठ, तीसरा स्थान बीएचयू जबकि चौथा स्थान संबलपुर विवि की टीम ने हासिल किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित ओलंपियन राजकुमार पाल ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। अध्यक्षता बीएचयू के कुलसचिव राजन श्रीवास्तव ने की।

बीएचयू में ऑनलाइन पाठ्यक्रम तैयार करने की नई तकनीक सीखी

बीएचयू में शनिवार को ऑनलाइन पाठ्यक्रम को अधिक रुचिकर और प्रभावी बनाने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला हुई। इसमें 30 शिक्षकों ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने डिजिटल शिक्षा में नई तकनीकों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल की जानकारी दी। कार्यशाला में शिक्षकों को ऑनलाइन पढ़ाई की सामग्री को सरल, रुचिकर और प्रभावी बनाने के तरीके बताए गए।



इटली की राजधानी मिलान में सीरीजए फुटबॉल मैच में एसी मिलान के क्रिस्टीयन पुलिसिस ने हैडर के जरिये गोल दागा।

अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार जीता खिताब



कौलून। अफगानिस्तान ने हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस 2026 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर पहली बार खिताब अपने नाम किया गुलबदीन नायब की कप्तानी में अफगान टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। वहीं, भारतीय टीम ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर जीत के साथ अभियान समाप्त किया। हालांकि, भारत को टूर्नामेंट में पाकिस्तान, यूएई और इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस 2026 में अफगानिस्तान ने इतिहास रचते हुए पहली बार खिताब अपने नाम किया। गुलबदीन नायब की कप्तानी वाली अफगान टीम ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं, भारतीय टीम ने भी टूर्नामेंट का समापन जीत के साथ किया। भारत ने बाउल डिवीजन के प्लेऑफ मुकाबले में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। आखिरी गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने 117 रन का लक्ष्य हासिल किया।

फाइनल में अफगानिस्तान का तूफानी प्रदर्शन

मिशन रोड ग्राउंड पर खेले गए खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह ओवर में चार विकेट पर 115 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैक्स ब्रायंट ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। उन्होंने महज 14 गेंदों का सामना करते हुए यह पारी खेली। एलेक्स रॉस ने 10 गेंदों पर नाबाद 29 रन और निक हॉब्सन ने आठ गेंदों पर 23 रन का योगदान दिया।

116 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की जमकर खबर ली। टीम ने महज 5.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 119 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अफगानिस्तान की जीत के हीरो इमरान मीर रहे, जिन्होंने सिर्फ 14 गेंदों पर 53 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी पारी में सात छक्के और दो चौके शामिल रहे। वहीं, फरमानुल्लाह सफी ने सात गेंदों पर नाबाद 26 रन बनाए। उन्होंने चार छक्के लगाए और 371.43 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। कप्तान गुलबदीन नायब ने भी छह गेंदों पर 17 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही अफगानिस्तान

अफगानिस्तान की खिताबी जीत इसलिए भी खास रही, क्योंकि टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। उसने ग्रुप ए के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को तीन विकेट से हराया। इसके बाद ओमान के खिलाफ चार विकेट से जीत दर्ज की।नॉकआउट चरण में भी अफगानिस्तान का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। टीम ने सेमीफाइनल में स्कॉटलैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 121 रन बनाए, जिसके जवाब में स्कॉटलैंड की टीम 100 रन ही बना सकी। इस खिताब के साथ अफगानिस्तान हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस टूर्नामेंट जीतने वाला आठवां देश बन गया।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

चेन्नई ओपन टेनिस आज से, भारत में अंतिम बार खेला जाएगा डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट

चेन्नई। यहां सोमवार से चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट शुरु होगा। ये भारत में होने वाला महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) का अंतिम 250 टूर्नामेंट होगा क्योंकि इसके बाद भारत डब्ल्यूटीए टूर कैलेंडर से बाहर हो जाएगा। इसका प्रभाव देश में होने वाले अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंटों पर पड़ेगा। ऐसे वैष्णवी अडकर, सहज यमलापल्ली और माया राजेश्वरन रेवती जैसी उभरती भारतीय खिलाड़ियों के लिए घरेलू दर्शकों के सामने चेन्नई ओपन में अपनी प्रतिभा दिखाने और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार करने का अंतिम अवसर होगा।

यह चेन्नई ओपन का तीसरा और अंतिम संस्करण होगा। भारत जल्द ही डब्ल्यूटीए के मुख्य टूर कैलेंडर में अपनी जगह खोने जा रहा है, जिससे भारतीय टेनिस खिलाड़ियों के लिए ऐसे उच्च-स्तरीय टूर्नामेंटों में सीधा प्रवेश पाना और भी कठिन हो जाएगा। ऐसे में, यह टूर्नामेंट न केवल उन्हें कीमती रैंकिंग अंक हासिल करने का अवसर प्रदान करेगा, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखने में भी मदद करेगा। यह भारतीय महिला टेनिस के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है, जहाँ युवा प्रतिभाओं के पास अपनी छाप छोड़ने का अंतिम सुनहरा अवसर है।

रबाडा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 विकेट पूरे करने वाले पांचवे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बने



केपटाउन । दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केपटाउन में हुए तीसरे टेस्ट में अपनी शानदार गेंदबाजी से टीम को जीत दिलाने के दौरान ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस मैच में रबाडा ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 विकेट पूरे किये। इसी के साथ ही ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह दक्षिण अफ्रीका के पांचवें गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में भी 350 विकेट का आंकड़ा पार कर लिया है। रबाडा के नाम 260 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अब 601 विकेट दर्ज हो गए हैं। इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाले वह दक्षिण अफ्रीका के पांचवें गेंदबाज हैं। उनसे पहले उपलब्धि शॉन पोलक (823 विकेट), डेल स्टेन (697 विकेट), मखाया एंटिनी (661 विकेट) और एलन डोनाल्ड (602 विकेट) जैसे दिग्गजों ने हासिल की थी। रबाडा अब इन महान गेंदबाजों के क्लब में शामिल हो गए हैं, जो उनकी निरंतरता और प्रभावी प्रदर्शन का प्रमाण है।गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट का आंकड़ा पार करते हुए, रबाडा ने सिर्फ 75 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की, जिससे वह संयुक्त रूप से तीसरे सबसे तेज तेज गेंदबाज बन गए। हालांकि, सबसे प्रभावशाली बात यह है कि उन्होंने यह मुकाम केवल 13,808 गेंदें फेंककर हासिल किया है, जो गेंदों के आधार पर 350 टेस्ट विकेट लेने का सबसे तेज रिकॉर्ड है। इस मामले में उन्होंने डेल स्टेन और वकार यूनिस जैसे महान तेज गेंदबाजों को भी पीछे छोड़ दिया है। रबाडा ने मैथ्यू रेनशॉ, मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड के महत्वपूर्ण विकेट लिए। ट्रेविस हेड का विकेट लेते ही उनके 350 टेस्ट विकेट भी पूरे हो गए, जो उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ टीम के लिए भी महत्वपूर्ण था।

ऑस्ट्रेलिया को हराकर दक्षिण अफ्रीकी टीम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने यहां हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया को 176 रनों से हराकर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-1 से जीत ली है। इस जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी है। इस मैच के साथ ही कप्तान टेम्बा बावुमा ने भी एक रिकार्ड अपनी कप्तानी में बनाया है। वह टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) में 13 मैच जीतने वाले पहले कप्तान बना गये हैं। इस प्रकार उन्होंने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को भी पीछे छोड़ दिया। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने डब्लयूटीसी रैंकिंग में 12 मैच जीते थे। इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला जीत लिया। उनकी कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को सीरीज में 2-1 से हराया। इस जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की जीत की संख्या 13 हो गई है। उन्होंने रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया है। रोहित ने भारत की कप्तानी करते हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 24 मुकाबलों में 12 जीत दर्ज की थीं।

पैरालंपिक चैंपियन नितेश की नजरें अब विश्व चैम्पियनशिप मे स्वर्ण जीतने पर लगीं



नई दिल्ली। पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार के नाम कई रिकार्ड हैं। पैरालंपिक चैंपियन रहे नितेश ने हाल ही में उन्होंने एशियन पैरा गेम्स के एकल एसएल3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीत था। वहीं थुलसिमथी मुरुगेसन के साथ मिलकर मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 इवेंट में रजत पदक जीता था। किया। वहीं अब उनका लक्ष्य विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतना और लांस एंजिल्स पैरालंपिक में अपने स्वर्ण पदक को बरकरार रखना है। जिसके लिए वह अपनी योजनाएं बना रहे हैं। नितेश ने कहा कि मेरा लक्ष्य केवल पदक जीतना नहीं बल्कि लगातार आगे बढ़ना और बेहतर होना है। इसी कारण मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता हूं, तो मुझमें स्वर्ण पदक जीतने की पूरी क्षमता है। साथ ही कहा कि हार पर भी वह निराश नहीं होते क्योंकि हार से भी सीखने को मिलता है। इससे हम सबक लेते हुए अपनी गलतियों को ठीक करते हैं। नितेश के पदक तालिका में अब बस विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण की ही कमी है। जो उन्हें हमेशा खलती है।

दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा विभाग ने लगाया आंकलन एवं मूल्यांकन शिविर, 227 बच्चों का हुआ परीक्षण

मूक पत्रिका



बेमेतरा - समग्र शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले के दिव्यांग बच्चों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने तथा उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आंकलन एवं मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के तहत विकासखंड बेमेतरा एवं नवागढ़ के दिव्यांग बच्चों के लिए शासकीय जिला चिकित्सालय बेमेतरा तथा विकासखंड साजा एवं बेरला के बच्चों के लिए बीआरसीसी (क्लस्टर) साजा में शिविर आयोजित किया गया। आयोजित शिविर में जिले के चारों विकासखंडों से कुल 227 दिव्यांग बच्चों का परीक्षण एवं मूल्यांकन किया गया। इस दौरान रायपुर से पहुंची एलिम्को (स्वायत्त) की विशेषज्ञ टीम द्वारा बच्चों की दिव्यांगता एवं उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए चिन्हांकन एवं मापन की प्रक्रिया पूरी की गई।कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक, समग्र शिक्षा सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला परियोजना संचालक, समग्र शिक्षा श्रीमती प्रेमलता पद्माकर के दिशा-निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांग) को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना और उनकी जरूरतों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बच्चों का आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य परीक्षण एवं दिव्यांगता संबंधी मूल्यांकन किया गया। साथ ही पात्र बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी करने तथा उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया संपन्न की गई। एलिम्को की टीम द्वारा किए गए मापन एवं चिन्हांकन के आधार पर बच्चों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में कार्यवाही की गई।

यह पहल दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के समान अवसर प्रदान करने, उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता बढ़ाने तथा दैनिक जीवन को अधिक सहज एवं सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलेगी और वे आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ सकेंगे।शिविर के सफल आयोजन में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभय जायसवाल, जिला मिशन समन्वयक श्री नकुल प्रसाद पनागर, समावेशी शिक्षा प्रभारी श्रीमती रेणुका चौबे, बीआरपी बेमेतरा श्रीमती रजनी देवांगन, बीआरपी नवागढ़ श्रीमती सरिता सतनामी, बीआरपी साजा श्री चन्द्रकांत वर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

टीचर्स एसोसिएशन ने सरकार से वादा निभाने की उठाई मांग

CG TA- 72763 दस महीने टीए में कांटा मार दिया सरकार ने : अखिलेश रॉय

मूक पत्रिका



कोंडागांव। छत्तीसगढ़ टीचर्स एशोसियेशन जिला अध्यक्ष ऋषिदेव सिंह, प्रातीय मंत्री अखिलेश कुमार राय ब्लॉक अध्यक्ष बडेराजपुर- डोमन मरकाम, केसकाल- रामसिंह मरापी, फरसगांव- सुकू राम नेताम, कोंडागांव - मन्नाराम नेताम, माकडी- रमेश प्रधान ने कहा,छत्तीसगढ राज्य सरकार ने कर्मचारी अधिकारीयों के मँहगाई भत्ते में 5त्न के बजाय केवल 2त्न की वृद्धि किया जिससे कर्मचारी जगत में निराशा।महंगाई भत्ता देय तिथि जनवरी से केंद्र के समान 5त्न मिलना था किंतु 2त्न ही दिया गया वह भी दस महीने बाद नवंबर से।केंद्र के देय तिथि से मँहगाई भत्ता नहीं मिलने से कर्मचारी निराश।टीचर्स एसोसिएशन ने सरकार से वादा निभाने की किया मांग।छग में कर्मचारियों अधिकारीयों के मँहगाई भत्ते में 5त्न के बजाय केवल 2त्न की वृद्धि किया गया है। वह भी केंद्र के समान देय तिथि एक जनवरी 2026 से देने के बजाय एक नवम्बर 2026 से मिलेगा। इसमें दस माह का कांटा मार दिया गया है, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक क्षति हुआ है। टीचर्स एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार से केंद्र के समान देय तिथि से मँहगाई भत्ता एरियर्स सहित देने के वादे को निभाने की मांग किया है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के विद्यार्थियों को संस्था एवं पाठ्यक्रम परिवर्तन का मिलेगा अवसर, 30 नवंबर तक कर सकेंगे आवेदन

बेमेतरा .अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वर्ष 2026-27 के अंतर्गत संस्था परिवर्तन, पाठ्यक्रम परिवर्तन, कोर्स ईयर परिवर्तन तथा संस्था एवं पाठ्यक्रम दोनों में परिवर्तन की सुविधा विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। विभाग द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का पंजीयन, स्वीकृति एवं भुगतान विभागीय पोर्टल https://postmatric-scholarship.cg.nic.in/ के माध्यम से किया जा रहा है। भारत सरकार के नियमानुसार पात्रता रखने वाले विद्यार्थी इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे। इस संबंध में विद्यार्थियों को सूचित किया गया है कि वे 1 नवंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 तक विभागीय पोर्टल पर अपने लॉगिन के माध्यम से वांछित परिवर्तन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात विद्यार्थियों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, बेमेतरा, कलेक्टोरेट कम्पोजिट बिल्डिंग के कक्ष क्रमांक-71 स्थित छात्रवृत्ति शाखा में संपर्क करना होगा।

अर्नव तूफान से फसल नुकसान का मुआवजा नहीं मिलने पर किसानों में नाराजगी

3 नवंबर को सुबह 11 बजे उतई सोसायटी का होगा घेराव

उतई, डुमरडीह और उमरपोटी के किसान होंगे शामिल,किसान चंद्रशेखर चंद्राकर करेंगे नेतृत्व

मूक पत्रिका



उतई। अर्नव तूफान के कारण फसलों को हुए भारी नुकसान के बाद अब तक बीमा राशि से संबंधित समस्याओं का समाधान नहीं होने से किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसी मुद्दे को लेकर उतई सोसायटी से जुड़े किसान आगामी 3 नवंबर को सुबह 11 बजे उतई सोसायटी का घेराव करेंगे।इस संबंध में किसान लक्ष्मीनारायण चंद्राकर ने बताया कि सोसायटी के माध्यम से किसानों का फसल बीमा किया गया था। ऐसे में किसानों को उचित बीमा राशि दिलाने और उनकी समस्याओं का समाधान कराने की जिम्मेदारी भी सोसायटी की बनती है। लेकिन लंबे समय बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से किसान निराश और नाराज हैं। उन्होंने बताया कि घेराव में उतई, डुमरडीह और उमरपोटी के किसान शामिल होंगे। किसानों की मांग है कि फसल नुकसान का उचित आकलन कर उन्हें नियमानुसार बीमा राशि दिलाई जाए तथा लंबित समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए।

वहीं इस किसान आंदोलन को जनपद सदस्य एवं किसान नेता ढालेश साहू का भी समर्थन मिला है। वे अपने साथियों के साथ घेराव में शामिल होंगे। अब देखना होगा कि किसानों की इस मांग पर सोसायटी प्रबंधन क्या कदम उठाता है।

राजस्व विभाग में काम काज प्रभावित 13/10/26 से पटवारी पी. वी. एप्प के बहिष्कार एवं अन्य मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे हैं

मूक पत्रिका



पटवारियों का स्पष्ट कहना है कि क्या यह न्यायसंगत है कि पीवी ऐप में ऐसे खसरे जिनका जियो-रेफ्रेंसिंग नहीं हुई है तथा अधिकतर ऐसे खसरे जिनका नक्शे में बटांकन दर्ज नहीं है, उनका भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है।

* वास्तविक भू-भाग की स्पष्ट पहचान -बिना खातेदारों के करना कठिन है।
* एक ही खसरे के विभिन्न बटांकन में अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग फसलें लगी हो सकती हैं।
* सही हिस्से में लगी फसल का सत्यापन बिना किसान के करना कठिन होता है।
* गलत प्रविष्टि होने पर किसान और पटवारी के बीच विवाद की स्थिति बन सकती है।
* पीवी ऐप की प्रक्रिया में पर्याप्त समय लग सकता है। समय किसानों की उपलब्धता पर ही निर्भर करता है
* स्पष्ट भूमि-सीमा एवं सही खातेदार की जानकारी के बिना सत्यापन करना कठिन है।
* पॉलिगॉन बनाने की प्रक्रिया बरसात में व्यावहारिक कठिनाइयाँ आती हैं।
* इससे किसान के रिकॉर्ड और पटवारी की जवाबदेही पर असर पड़ सकता है।
* बरसात में खेतों तक पहुँचने में कठिनाई होती है।
* बरसात में बड़ी-बड़ी घास, झाड़ियाँ, मेड़ और अन्य बाधाएँ निरीक्षण में परेशानी पैदा करती हैं।
* खेतों में पानी कीचड़ मेढ़ो पर बड़ी-बड़ी घास और सांप की खतरे के बीच जीपीएस लेना जोखिमपूर्ण है
* कुछ क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं होता।
* बारिश के दौरान खेतों में पानी भरा होने से खेत तक पहुँचना कठिन होता है।
* खेतों में तार से घेरा बंदी गन्ने जैसी ऊंची और घनी फसलों कारण खेत के अंदर जाना ही चुनौती है दूर दराज दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित खेतों तक पहुंचना कठिन है

बारिश और मौसम का प्रभाव

* ऐसी परिस्थितियों में वास्तविक फसल सत्यापन करना चुनौतीपूर्ण होता है।
* कई खेतों में मेड़ स्पष्ट नहीं होती।
* एक ही खसरे के अलग-अलग हिस्सों की वास्तविक स्थिति पहचानना कठिन होता है।
* डिजिटल नक्शे और खेत की वास्तविक स्थिति में अंतर हो सकता है।

कृषि सही जानकारी के अभाव में गलत प्रविष्टि की आशंका रहती है।

* पटवारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण एवं समय न दिया जाना।
* कई जिलों जैसे कोंडागांव में 1924-25 के बाद बंदोबस्त नहीं हुआ है,ऐसे में डीसीएस एवं पी वी एप्प की सफलता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

पटवारी हड़ताल का असर – प्रमुख सवाल

1. पूर्व सूचना की अनदेखी क्यों?
   पटवारी संघ ने ज्ञापन देकर समस्याएं बताईं, फिर समय रहते समाधान क्यों नहीं किया गया?
2. सुधार पहले क्यों नहीं?
   आज पीवी ऐप और पॉलीगॉन की खामियां सुधारी जा रही हैं, तो इन्हें पहले क्यों नहीं सुधारा गया?
3. संवाद के बजाय कार्रवाई क्यों?
   पटवारियों से चर्चा करके समाधान निकालने के बजाय दमनात्मक कार्यवाही करते हुवे निलंबन और स्थानांतरण क्यों किए गए?
4. क्या पहले परीक्षण और सुधार करके किसानों को संभावित नुकसान से नहीं बचाया जा सकता था?
5. पटवारियों की समस्याएं क्यों नहीं समझीं?

उनके अनुभव और सुझावों के आधार पर सुधार क्यों नहीं किया गया?6. समाधान की पहल क्यों नहीं? यदि पीवी ऐप सही था, तो एक गांव में स्वयं परीक्षण कर पटवारियों के सामने इसकी उपयोगिता साबित क्यों नहीं की गई? मुख्य सवालजब समय रहते संवाद और सुधार से समस्या सुलझ सकती थी, तो दमनात्मक कार्यवाही कर हड़ताल की स्थिति क्यों उत्पन्न होने दी गई? पटवारियों का साफकहना है जिगहमारा उद्देश्य विरोध नहीं, व्यावहारिक समाधान है – किसान हित, कर्मचारी हित और राजस्व व्यवस्था की सुरक्षा।

नवंबर माह में किसान भाई करें रबी फसलों की तैयारी, कृषि वैज्ञानिक डॉ. चंद्रशेखर खरे ने दी महत्वपूर्ण सलाह

रबी फसलों की समय पर बुवाई, बीजोपचार एवं फसल चक्र अपनाने से कीट-व्याधियों का प्रकोप होगा कम

मूक पत्रिका

पामगढ़ - किसानों की जागरूकता, कृषि उत्पादन में वृद्धि तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयुक्त जन जागरूकता अभियान के तहत वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. चंद्रशेखर खरे (सस्य विज्ञान) एवं प्रक्षेत्र विस्तार अधिकारी जितेंद्र कुमार खरे ने नवंबर माह के प्रमुख कृषि कार्यों को लेकर किसानों के लिए महत्वपूर्ण सलाह जारी की है। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि नवंबर माह रबी फसलों की बुवाई एवं खेतों की तैयारी के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दौरान किसान समय पर खेत तैयार कर उचित बीजोपचार, उन्नत कृषि तकनीक एवं फसल चक्र अपनाकर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। नवंबर माह के प्रमुख कृषि कार्य एवं किसानों के लिए महत्वपूर्ण सुझाव-रबी फसलों की तैयारीः खेतों की तैयारी के लिए ट्रैक्टर चलित रोटावेटर अथवा कल्टीवेटर से खाली खेतों में उथली जुताई करें। मूंग, उड़द, खेसरी, चना, कुसुम, सूरजमुखी, अलसी एवं चारे वाली फसलों की बुवाई की तैयारी करें।दलहन एवं तिलहन की समय पर बुवाईः रबी मौसम में बोई जाने वाली दलहनी एवं तिलहनी फसलों की बुवाई 15 नवंबर के आसपास पूरी कर लेने से कीट एवं रोगों के प्रकोप को कम करने में मदद मिलती है।चना में बीजोपचार जरूरीः चने की बुवाई से पहले कार्बेन्डाजिम 1.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें। इसके साथ राइजोबियम एवं ट्राइकोडर्मा कल्चर का उपयोग संबंधित उत्पाद के निर्धारित मानक के अनुसार करें।फसल चक्र अपनाएंः जिन खेतों में प्रतिवर्ष चने की फसल में उकठा एवं कॉलर रॉट बीमारी का प्रकोप होता है, वहां चने के स्थान पर गेहूं, तिवड़ा, कुसुम एवं अलसी की बुवाई करें तथा फसल चक्र अपनाएं।केले की फसलः केला उत्पादक किसान पौधों में मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।पपीते की फसलः पपीते में रोगों की रोकथाम के लिए कृषि विशेषज्ञ की सलाह एवं उत्पाद के लेबल निर्देशों के अनुसार कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का छिड़काव करें।गोभी वर्गीय सब्जियों की नर्सरीः फूलगोभी एवं पत्तागोभी की अगेती किस्मों का चयन कर नर्सरी तैयार करें।सब्जियों की खेतीः टमाटर, बैंगन, मिर्च एवं शिमला मिर्च की खेती की तैयारी करें। बीजों को थायरम 1 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।चारा फसलः नवंबर माह के मध्य तक बरसीम एवं जई की बुवाई पूरी करें। मोंगरा की देखभालः मोंगरा में कटाई-छंटाई के बाद आवश्यकतानुसार खाद एवं उर्वरकों का समुचित प्रबंधन करें।कृषि यंत्रों में सावधानीः कृषि यंत्रों का उपयोग करते समय सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करें।धान कटाई के दौरान सुरक्षाः धान की कटाई करते समय आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मा एवं उपलब्ध होने पर एप्रन पहनें, ताकि धान की पत्तियों एवं अन्य कणों से होने वाली चोट से बचाव हो सके।

वन मंडल केशकाल के कार्यक्षेत्र अंतर्गत लगातार वनों की अवैध कटाई एवं अवैध परिवहन कार्य को तस्कर सफलता पूर्वक अंजाम दे रहे हैं





मूक पत्रिका

वन मंडला अधिकारी केशकाल श्रीमति दिव्या गौतम के नियंत्रण के बाहर हो गया है या वन विभाग ही तस्करों पर है मेहरबान हो गया है । वन मंडल केशकाल,वन परिक्षेत्र बड़ेराजपुर (विश्रामपुरी) बिट क्षेत्र बाँसकोट के ग्राम राहटीपारा ग्राम पंचायत बोलेंगा में वन विभाग द्वारा लगाए गए नीलगिरी झाड़ को बगैर किसी विभागीय प्रक्रिया के काट कर बेच दिया गया और किसी को कानों कान इसकी कोई खबर तक नहीं है ।जब मूक पत्रिका अखबार छत्तीसगढ़ प्रदेश विशेष संवाददाता रूपेन्द्र कोर्राम ने संबंधितों से जानकारी मांगी तो वन विभाग एवं क्षेत्र के सदस्यों द्वारा इस विषय में हमारे पास कोई जानकारी ही नहीं है कहा गया। ग्राम राहटीपारा ग्राम पंचायत बोलेगा में वन विभाग के ग्राम बाँसकोट बिट क्रमांक 1332 में आज से 15 वर्ष पहले वन विभाग द्वारा नीलगिरी पौधा का रोपड़ किया गया था । जिसे डेढ़ ,दो महीने पहले ही ग्राम के ही किसी चतुर चालाक व्यक्ति(जनप्रतिनिधि) एवं वन विभाग के कर्मचारियों की मिली भगत (संलिप्तता) से हरे भरे पेड़ों की अवैध कटाई करके पेड़ों की अनुमानित संख्या 45 से 50 नग बताई जा रही है । और नीलगिरी झाड़ की गोलाई लगभग 60 से 70 सेंटीमीटर बताई जा रही है । जिसे कटिंग कर उड़ीसा राज्य के किसी व्यापारी को करीब 3 लाख रुपए के आस पास में बेच दिया है । जिसकी खबर अभी तक वन विभाग को दूर दूर तक नहीं है ।

केसीसी से निकासी और फर्जी हस्ताक्षर का आरोप, जांच के घेरे में कचनार समिति!

किसानों के नाम पर लाखों का खेल?

28 हजार की कथित निकासी से लेकर 11,359 की खाद निकासी तक उठे सवाल, 12 बिंदुओं पर जांच के निर्देश; क्या इस बार सामने आएगा पूरा सच या फिर दब जाएगा मामला?

मूक पत्रिका



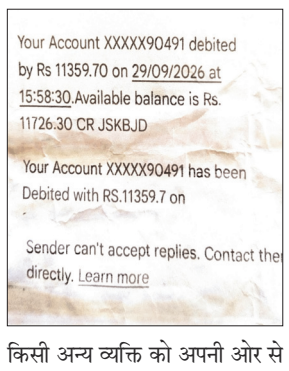

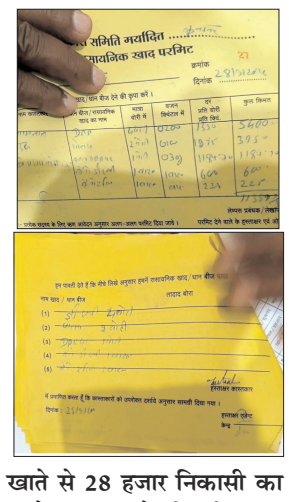

पवन कुमार नाग -बस्तर। किसानों की मेहनत की कमाई और उनके कृषि ऋण से जुड़ी योजनाओं में यदि कथित अनियमितताओं की शिकायतें सामने आने लगें तो यह केवल एक समिति का मामला नहीं, बल्कि पूरे सहकारी तंत्र की पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है। बस्तर जिले की जिला सहकारी समिति मर्यादित, शाखा कचनार एक बार फिर केसीसी खातों से कथित निकासी, खाद वितरण में गड़बड़ी और फर्जी हस्ताक्षर के आरोपों को लेकर सुर्खियों में है। लगातार शिकायतों और समाचार प्रकाशन के बाद विभाग ने जांच की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन अब तक किसानों को जांच की वास्तविक स्थिति और कार्रवाई की स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले में ग्राम बेड़ाउमरगांव निवासी किसान श्यामलाल कश्यप ने थाना प्रभारी बस्तर को लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि उनके नाम पर बिना जानकारी और अनुमति के खाद निकाली गई। किसान के अनुसार, उन्होंने स्वयं खाद प्राप्त करने के लिए हस्ताक्षर नहीं किए और न ही किसी अन्य व्यक्ति को अपनी ओर से खाद लेने की अनुमति दी। इसके बावजूद उनके नाम पर 11,359 की खाद निकासी दर्शाए जाने का आरोप है। किसान ने अपने हस्ताक्षर की नकल कर फर्जी हस्ताक्षर से खाद निकालने की आशंका जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बुधराम बघेल के केसीसी खाते से 28 हजार निकासी का आरोप-इस मामले की गंभीरता तब और बढ़ जाती है जब ग्राम कचनार के ओटापारा निवासी किसान बुधराम बघेल की पूर्व शिकायत सामने आती है।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।